WWW.Kanchanujala.in
हिन्दी दैनिक
kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित
सच्चाई के साथ

रवीना टंडन KGF 2 की शूटिंग के लिए पहुंचीं डलहौजी

वर्षः 01 अंक : 293 | लखनऊ, मंगलवार, 13 अक्टूबर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

पहली बार 44 पुलों का उद्घाटनः राजनाथ बोले

चीन मिशन के तहत सीमा विवाद कर रहा

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 44 पुलों का उद्घाटन किया। ये पहली बार है जब एकसाथ इतने ब्रिज देश के नाम किए गए हों। इस मौके पर राजनाथ ने कहा कि पाकिस्तान के बाद अब चीन भी सीमा विवाद जारी रखने पर आमादा है। दोनों देश यह सब मिशन के तहत कर रहे हैं। राजनाथ ने अरुणाचल प्रदेश में एक सुरंग का शिलान्यास भी किया। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा, 'सभी जानते हैं कि हमारी उत्तरी और पूर्वी सीमाओं पर क्या हो रहा है। 7 हजार किमी लंबी सीमाओं पर पाकिस्तान और चीन लगातार तनाव बनाए हुए हैं। चीन-पाक की तरफ से तनाव के बावजूद भारत हर क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव लाया है।' ये ब्रिज बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) ने तैयार किए हैं। राजनाथ के मुताबिक, 2008-16 के बीच बीआरओ का बजट 3300 करोड़ से 4600 करोड़ रुपए के बीच रहता था। 2020-21 में यह बढ़कर 11 हजार करोड़ रुपए हो गया है। ये पुल लद्दाख, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और जम्मू-कश्मीर में बनाए गए हैं। इनकी मदद से सेना की हथियारबंद टुकड़ियां जल्द सीमा पर फॉरवर्ड लोकेशन तक पहुंच सकती हैं। चीन के साथ विवाद को देखते हुए भारत सीमावर्ती इलाकों में कई दूसरे अहम प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर रहा है। सभी पुल बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) ने बनाए हैं। बीआरओ ने कहा कि इन पुलों की न केवल रणनीतिक अहमियत है, बल्कि दूरदराज के इलाकों से संपर्क स्थापित करने में भी मदद मिलेगी। 7 पुल लद्दाख में तैयार किए गए हैं। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर में 10, हिमाचल में 2, उत्तराखंड और अरुणाचल में 8-8 और सिक्किम और पंजाब में 4-4 पुल बनाए गए हैं। अरुणाचल प्रदेश के नेचिफू में बनाई जाने वाली सुरंग तवांग की एक मुख्य सड़क पर बनाई जाएगी। हिमाचल के दारचा को लद्दाख से जोड़ने के लिए भी सड़क बनाई जा रही है। यह सड़क कई ऊंची बर्फीली चोटियों से होकर गुजरेगी। यह करीब 290 किमी. लंबी होगी। इसके तैयार होने के बाद करगिल तक सेना की पहुंच आसान होगी।

दोनों देश 7 हजार किमी लंबे बॉर्डर पर लगातार तनाव बनाए हुए हैं

मारा गया लश्कर का टॉप पाक कमांडर

जम्मू-कश्मीर में इस साल अब तक 180 आंतकवादी ढेर

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में इन दिनों आतंकवादी जान बचाने को भागते फिर रहे हैं। सुरक्षाबलों ने श्रीनगर मुठभेड़ में सोमवार को दो और आतंकवादियों को मार गिराया। इनमें लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कमांडर सैफुल्लाह दनयाली भी शामिल है जो पाकिस्तान का रहने वाला है। मारा गया दूसरा आतंकवादी इरशाद पुलवामा का रहने वाला है। जम्मू-कश्मीर के डीजीपी दिलबाग सिंह ने बताया कि पिछले पांच दिनों में हुए चार ऑपरेशन में 10 आतंकवादी मारे जा चुके हैं और 1 ने सरेंडर कर दिया। श्रीनगर के ओल्ड बरजुल्ला इलाके में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दोनों आतंकवादी मारे गए। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि सुरक्षा बलों ने क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना के बाद सोमवार तड़के शहर के ओल्ड बरजुल्ला इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया था। उन्होंने कहा कि सुबह करीब पौने आठ बजे जब तलाशी अभियान चल रहा था तभी आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हुई। गोलीबारी में दो आतंकवादियों को मार गिराया गया। डीजीपी ने सोमवार को प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि पिछले पांच दिन में आतंकवादियों के खिलाफ 4 ऑपरेशन चलाए गए, जिनमें 10 आतंकवादी मारे गए और डोडा में एक आतंकवादी ने आत्मसमर्पण कर दिया, जिससे पूछताछ चल रही है। आज के ऑपरेशन में लश्कर-ए-तैयबा कमांडर सैफुल्लाह मारा गया। वह 3 बड़े हमलों में शामिल था, जिनमें सीआरपीएफ के तीन जवानों की जान चली गई थी। डीजीपी ने बताया कि इस साल 75 सफल ऑपरेशन में 180 आतंकवादी मारे गए हैं। इसके अलावा 138 आतंकवादी और उनके सहयोगी दबोचे गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस साल ऑपरेशनों की सफलता ने नया रिकॉर्ड बना दिया है।

हमने कर ली कोशिश, बिहार में नहीं लग सकते बड़े उद्योगःनीतीश कुमार

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 के लिए जेडीयू की ओर सोमवार को चुनावी कैंपेन का आगाज किया गया। जेडीयू अध्यक्ष और सीएम नीतीश कुमार ने अपने भाषण में जहां विकास की चर्चा की, वहीं लालू-राबड़ी राज पर बड़ा हमला बोला। नीतीश कुमार ने कहा कि हमारी सरकार ने दलितों की हत्या होने पर परिवार वालों को नौकरी देने का प्रावधान किया है। इस पर भी कुछ लोग सवाल उठा रहे हैं। क्या दलितों का उत्थान वो नहीं चाहते। हमने संविधान में जो अधिकार मिला था, उसे नियम बनाकर लागू किया, इसमें भी उनको परेशानी है। उन लोगों का वोट लेना ही मकसद है। आज तक तो वे लोग सिर्फ वोट लेकर बेवकूफ बनाते रहे। हमारी सरकार महादलितों के लिए काम कर रही तो कुछ लोगों को परेशानी है। हम वोट की चिंता नहीं करते, सेवा ही हमारा धर्म है। सीएम ने आगे कहा कि आज कल देख रहे हैं कि कुछ लोग बिहार के बारे में आर्टिकल लिख रहे हैं। लेकिन ये नहीं देख रहे कि हमारा विकास दर 10 प्रतिशत से अधिक है। यह सही है कि कोई बड़ा उद्योग धंधे नहीं लगे लेकिन छोटे स्तर पर कई उद्योग लगे हैं। हमारे यहां ज्यादा बड़ा उद्योग नहीं लग सकता। हमलोगों ने काफी कोशिश की लेकिन बिहार में बड़े उद्योगपति नहीं आये। वे लोग समुद्री किनारे वाले राज्यों को पसंद करते हैं, लेकिन आज कल लोग कुछ भी बोलते रहते हैं। नीतीश कुमार ने अपने संबोधन में लालू-राबड़ी राज पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पहले कुछ काम होता था क्या? पहले आपदा में क्या होता था? आज जो लोग बोल रहे हैं, उनके राज में कुछ होता था क्या?

पॉल आर मिलग्रोम और रॉबर्ट बी विल्सन को अर्थशास्त्र का नोबेल

स्टॉकहोम, एजेंसी। अमेरिका के अर्थशास्त्री पॉल आर मिलग्रोम और रॉबर्ट बी विल्सन को संयुक्त रूप से वर्ष 2020 के अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार के लिए चुना गया है। रॉयल स्वीडिश अकैडमी ऑफ साइंसेज ने सोमवार को एक वक्तव्य जारी कर इस पुरस्कार की घोषणा की। इस बार यह पुरस्कार नीलामी के सिद्धांत और नये नीलामी प्रारूपों के आविष्कारों में सुधार के क्षेत्र में काम के लिए दिया गया है। अर्थशास्त्री पॉल आर मिलग्रोम और रॉबर्ट बी विल्सन अमेरिका के प्रतिष्ठित स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं। अर्थशास्त्र के नोबेल को स्वीरिजेज रिक्सबैंक प्राइज इन इकोनॉमिक साइंसेज इन मेमोरी ऑफ अल्फ्रेड नोबेल के तौर पर भी जाना जाता है। दोनों ही अर्थशास्त्रियों ने अध्ययन किया है कि नीलामी कैसे काम करती है। उन्होंने ऐसी वस्तुओं और सेवाओं के लिए नये नीलामी प्रारूपों को तैयार किया, जिन्हें पारंपरिक तरीके से बेचना मुश्किल है।

हाथरस मामला

हाईकोर्ट में परिवार का आरोप, बिना सहमति के अंतिम संस्कार

लखनऊ, एजेंसी। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में हाथरस घटना की पीड़िता के शरीर का कथित तौर पर मनमाने तरीके से, परिवार की मर्जी के बिना और रातों-रात अंतिम संस्कार कराने के मुद्दे पर सुनवाई हुई। पीड़ित परिवार की अधिवक्ता सीमा कुशवाहा ने कहा कि परिवार ने प्रशासन पर आरोप लगाया कि बिना सहमति के अंतिम संस्कार किया गया। अगली सुनवाई 2 नवंबर को होगी। हाईकोर्ट में पीड़िता के परिजनों के अलावा कई अधिकारी भी कोर्ट में मौजूद रहे। पीड़ित परिवार से पांच लोग सीओ और मजिस्ट्रेट की निगरानी में कोर्ट के सामने पेश हुए और अपना बयान दर्ज कराया। पेशी के लिए परिवार भारी पुलिस सुरक्षा के बीच सोमवार सुबह 11 बजे के करीब लखनऊ पहुंचा।एसडीएम अंजली गंगवार, सीओ शैलेन्द्र बाजपेयी, जनपद के डीएम प्रवीन लक्ष्यकार व एसपी भी पीड़ित परिवार के साथ लखनऊ पहुंचे हैं। छह गाड़ियों के काफिले के साथ पीड़ित परिवार के पांच सदस्य लखनऊ हाईकोर्ट पहुंचे। उक्त मामला गरिमापूर्ण ढंग से अंतिम संस्कार के अधिकार टाइटिल के तहत न्यायमूर्ति पंकज मित्तल व न्यायमूर्ति राजन रॉय की खंडपीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया गया। उल्लेखनीय है कि 1 अक्तूबर को इस मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए, अपर मुख्य सचिव गृह, पुलिस महानिदेशक, अपर पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था, जिलाधिकारी हाथरस और पुलिस अधीक्षक हाथरस को तलब किया था।

चीन की हर चाल नाकाम

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) द्वारा बनाए गए 44 पुलों का आधिकारिक रूप से उद्घाटन कर दिया। सरकार का दावा है कि इन पुलों को रिकॉर्ड समयसीमा में तैयार किया गया है। ये 44 पुल, बीआरओ द्वारा बनाए जा रहे 102 पुलों में से ही हैं। इससे पहले, 10 पुलों की शुरुआत हो चुकी है। इस तरह, इस साल अब तक 54 पुलों को तैयार किया जा चुका है। चीन से पूर्वी लद्दाख में जारी सीमा विवाद के बीच बनाए जा रहे ये पुल इतने मजबूत हैं कि इन पर युद्ध की स्थिति में काम आने वाले भारी-भरकम टी-90 टैंक भी ले जाए जा सकते हैं। एक अधिकारी ने बताया कि 44 पुलों में से 30 पुल लद्दाख से अरुणाचल प्रदेश तक एलओसी जाने वाले रूट पर आते हैं। ये सभी क्लास 70 पुल हैं, जोकि ऐसी तकनीक है, जिसपर 70 टन का वाहन ले जाया जा सकता है।

जानवरों के हलाल वध पर रोक संबंधी याचिका खारिज

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने मांस के लिए जानवरों को हलाल किये जाने पर रोक संबंधी याचिका सोमवार को खारिज कर दी और याचिकाकर्ता को कड़ी फटकार भी लगायी। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने अखंड भारत मोर्चा की याचिका को शरारतपूर्ण करार देते हुए खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति कौल ने कहा कि आपकी यह याचिका शरारतपूर्ण लगती है। खंडपीठ ने कहा कि न्यायालय इस पर सुनवाई नहीं करता कि कौन शाकाहारी हो, कौन मांसाहारी। न्यायमूर्ति कौल ने कहा, हम यह भी तय नहीं कर सकते हैं कौन हलाल मीट खाएगा और कौन झटका मीट। हलाल प्रथा में जानवरों का धारदार हथियार से गला रेतकर वध किया जाता है, जबकि झटका प्रथा में तेज हथियार से एक वार करके एक बार में ही उसका सिर धड़ से अलग कर दिया जाता है।

कोरोना संक्रमण का आंकड़ा 71 लाख से पार

स्वस्थ होने वालों की भी प्रतिदिन बढ़ रही संख्या

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना संक्रमण के मामले 71 लाख से अधिक हो चुके हैं हालांकि नये मामलों की तुलना में स्वस्थ होने वालों की संख्या प्रतिदिन बढ़ रही है और अब तक 61 लाख से ज्यादा लोग कोरोनामुक्त हो चुके हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 77,559 कोरोना संक्रमितों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ , जिन्हें विभिन्न अस्पतालों से छुट्टी दे दी गयी। देश में अब तक 61,49,535 मरीजों ने कोरोना को मात दी है। इसी अवधि में 66,732 लोगों के कोरोना से संक्रमित होने की पुष्टि होने के बाद संक्रमण का आंकड़ा 71,20,538 हो गया। पिछले 24 घंटों के दौरान 816 संक्रमित अपनी जान गंवा बैठे और इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 1,09,150 हो गयी है। कोरोना संक्रमण के नये मामलों में कमी आने के कारण सक्रिय मामले 5643 घटकर 8,61,853 हो गये। देश में अभी सक्रिय मामलों का प्रतिशत 12.10 और रोगमुक्त होने वालों की दर 86.36 प्रतिशत है जबकि मृत्यु दर 1.53 फीसदी रह गयी है। कोरोना महामारी से सबसे अधिक प्रभावित महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामले 22बढ़कर 2,21,637 रह गये हैं जबकि 309 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 40,349 हो गयी है।

इस दौरान 10,461 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 12,66,240 हो गयी। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या में 659 की कमी आयी और अब 1,20,289 सक्रिय मामले हैं। राज्य में मरने वालों का आंकड़ा 9966 पर पहुंच गया है तथा अब तक 5,80,054 लोग स्वस्थ हुए हैं। आंध्र प्रदेश में इस दौरान मरीजों की संख्या 329 कम होने से सक्रिय मामले 46,295 रह गये। राज्य में अब तक 6224 लोगों की मौत हुई है। वहीं कुल 7,03,208 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में इस दौरान 191 मरीज कम हुए हैं जिससे सक्रिय मामले 40,019 हो गये हैं तथा इस महामारी से 6394 लोगों की मौत हुई है जबकि 3,90,566 मरीज ठीक हुए हैं। तमिलनाडु में सक्रिय मामलों की संख्या 44,095 हो गयी है तथा 10,252 लोगों की मौत हुई है। वहीं राज्य में अब तक 6,02,038 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। केरल में सक्रिय मामले 96,401 हो गये तथा 1003 लोगों की मौत हुई है जबकि स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 1,91,798 हो गयी है।

राहुल गांधी पाकिस्तान और फारूक अब्दुल्ला चीन के हीरो, दोनों को डुप्लेक्स बनाकर रहना चाहिएः बीजेपी

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला के अनुछेद-370 पर दिए गए विवादित बयान पर बीजेपी ने पलटवार किया है। बीजेपी ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर फारूक और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा। पार्टी के प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी पाकिस्तान में हीरो बने थे और आज फारूक अब्दुल्ला चीन में हीरो बन रहे हैं। संबित पात्रा ने कहा, कांग्रेस पार्टी ने सर्जिकल और एयरस्ट्राइक पर सवाल उठाए थे, जिसके बाद राहुल गांधी पाकिस्तान में हीरो बन गए थे। फारूक अब्दुल्ला चीन में हीरो बन गए हैं। दोनों को अगर देश के बाहर के सारे देश अछे लगते हैं, तो डुप्लेक्स बनाकर रहना चाहिए। दोनों में कोई फर्क नहीं है, दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। पात्रा ने कहा कि एक तरह से फारूक अब्दुल्ला ने अपने इंटरव्यू में चीन की विस्तारवादी मानसिकता को न्यायोचित ठहराते हैं। वहीं, दूसरी और एक देशद्रोही कमेंट करते हैं कि भविष्य में हमें अगर मौका मिला तो हम चीन के साथ मिलकर अनुछेद 370 वापस लाएंगे। फारूक अब्दुल्ला ने पहली बार ऐसा नहीं कहा है। उन्होंने पहले भी कई बार इस तरह के बयान दिए हैं। बीजेपी के प्रवक्ता ने कहा कि 24 सितंबर को फारूक अब्दुल्ला ने कहा था कि आप अगर जम्मू-कश्मीर में जाकर लोगों से पूछेंगे कि क्या वह भारतीय हैं, तो लोग कहेंगे कि नहीं हम भारतीय नहीं है। उसी बयान में ही उन्होंने यह भी कहा था कि अछा होगा अगर हम चीन के साथ मिल जाएं। एक तरह से फारूक अब्दुल्ला ने अपने इंटरव्यू में चीन की विस्तारवादी मानसिकता को न्यायोचित ठहराते हैं। संबित पात्रा ने पूछा कि देश की संप्रभुता पर प्रश्न उठाना, देश की स्वतंत्रता पर प्रश्नचिन्ह लगाना क्या एक सांसद को शोभा देता है?

उपभोक्ता और पूँजीगत व्यय बढ़ाकर अर्थव्यवस्था को गति देने की योजना

नयी दिल्ली, एजेंसी। कोरोना के कारण बुरी तरह से प्रभावित अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने और त्योहारी सीजन में उपभोक्ता माँग बढ़ाने पर जोर देते हुये केन्द्र सरकार ने सोमवार को केन्द्रीय कर्मचारियों के लिए अवकाश यात्रा छूट (एलटीसी) कैश वाउचर योजना, विशेष उत्सव अग्रिम योजना और अतिरिक्त 37 हजार करोड़ रुपये के पूँजीगत व्यय करने की घोषणा करते हुये कहा कि इन उपायों से करीब एक लाख करोड़ रुपये की माँग बढ़ने में मदद मिल सकेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर ने यहाँ संवाददाताओं से चर्चा में ये घोषणायें की। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि कोरोना का अर्थव्यवस्था पर बहुत बुरा असर हुआ है। गरीब और कमजोर तबके को आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत मदद दी गयी है और आपूर्ति से जुड़ी बाधायें समाप्त करने पर जोर दिया गया है। इसके बावजूद अब भी उपभोक्ता माँग कम बनी हुई है। इसको ध्यान में रखते हुये ऐसे पैकेज तैयार किये गये हैं जिससे न सिर्फ सकल घरेलू उत्पाद को बढ़ाने में मदद मिलेगी बल्कि इसका महँगाई पर भी असर नहीं होगा। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय कर्मचारियों के लिए एलटसी कैश वाउचर योजना शुरू की जा रही है जो 31 मार्च 2021 तक वैध रहेगी। इसके तहत वर्ष 2018-21 के चार वर्ष के ब्लॉक में दो बार गृह नगर जाने या एक-एक बार गृह नगर और देश के किसी एक अन्य स्थान पर जाने का लाभ उठाया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ के जशपुर में युवती का अपहरण कर किया गैंग रेप

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के जशपुर में 19 वर्षीय युवती के अपहरण और फिर गैंग रेप किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि जिले के एक गांव में तीन युवकों ने युवती के साथ गैंग रेप किया। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि तीसरे की तलाश जारी है। जशपुर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) बालाजी राव द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, घटना 9 अक्टूबर को हुई जब पीड़िता अपने रिश्तेदारों के घर से लौट रही थी। पुलिस ने दावा किया कि आरोपी की पहचान अरुण लकड़ा (33), सुशील चौहान (37) और फिरोज बेक के रूप में हुई है, जिन्होंने कथित तौर पर पीड़िता का अपहरण किया और गैंग रेप किया। युवती घटना के बाद गायब हो गई और अगली सुबह गांव के बाहर बेहोश पाई गई। पुलिस के अनुसार, परिवार ने पीड़िता को एक अस्पताल में भर्ती कराया और जब उसे होश आया तो उसने इस घटना की जानकारी दी। उसके बयान के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया गया था। हालांकि, जब उसकी मेडिकल जांच में पता चला कि उसका गैंग रेप किया गया था, तो मामले में आईपीसी की धारा 376 डी (गैंग रेप) को भी जोड़ दिया गया।

मोदी ने राजमाता सिंधिया की जन्मशती पर जारी किया 100 रुपये का स्मारक सिक्का

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजमाता विजयाराजे सिंधिया की जन्मशती के अवसर पर आज 100 रुपये का स्मारक सिक्का जारी किया। प्रधानमंत्री ने स्मारक सिक्का जारी करते हुए राजमाता के साथ रथयात्रा और एकता यात्रा के दौरान के अपने अनुभवों के बारे में बताया। उन्होंने कहा,÷ ये मेरा सौभाग्य है कि मुझे राजमाता की स्मृति में यह विशेष स्मारक सिक्का जारी करने का अवसर मिला है। कोरोना के कारण भले ही यह कार्यक्रम भव्य नहीं है लेकिन यह दिव्य जरूर है। पिछली शताब्दी में देश को दिशा देने वाले चंद लोगों में राजमाता भी शामिल थीं। वह सिर्फ वात्सल्य की मूर्ति नहीं थीं, बल्कि वह एक निर्णायक नेता थीं और कुशल प्रशासक थीं। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आजादी के इतने दशकों तक भारतीय राजनीति के हर अहम पड़ाव की वह साक्षी रहीं। उन्होंने कहा कि आजादी से पहले विदेशी वस्त्रों की होली जलाने से लेकर आपातकाल और राममंदिर आंदोलन तक राजमाता के अनुभवों का व्यापक विस्तार रहा है। राजमाता की जीवनयात्रा और उनके जीवन संदेश को देश की मौजूदा पीढ़ी भी जाने और उनसे प्रेरणा ले इसीलिए उनके बारे में और उनके अनुभवों के बारे में बार-बार बात करना आवश्यक है। श्री मोदी ने कहा कि विवाह से पहले वह किसी राजपरिवार से संबंधित नहीं थी लेकिन विवाह के बाद उन्होंने सबको अपनाया और पाठ भी पढ़ाया कि कोई भी साधारण से साधारण से व्यक्ति इस लोकतंत्र में सत्ता को सेवा का माध्यम बना सकता है। उनके पस सत्ता थी, संपत्ति थी और सामर्थ्य भी था लेकिन इनसे बढ़कर उनके पास जो अमानत थी।

ऐशबाग धोबीघाट में झोपड़ियां जल कर राख

अग्निकांड में दो युवकों समेत कई दमकल कर्मी झुलसे

लखनऊ, संवाददाता। ऐशबाग धोबीघाट में रविवार देर रात हुआ भीषण अग्निकांड के दौरान चारों तरफ सिर्फ हाहाकार सुनाई दे रहा था। कोई बच्चे तो कोई अपने वृद्ध माता-पिता को झोपड़ियों से निकाल कर सुरिक्षत स्थान पर ले जा रहा था। इस अग्निकांड में यहां रहने वाले करीब 50-60 परिवारों के सपने बिखर गए। झोपड़ियों में रखी उनकी सारी गृहस्थी के साथ ही रुपये, जेवर सब कुछ राख हो गया है। लोगों तन पर जो कपड़े थे सिर्फ वही बचे बाकी सब कुछ राख हो गया। यह कहना है झुग्गी बस्ती निवासी दिव्यांग सलीम का। सलीम के दोनों पैर खराब हैं। वह बैसाखी के सहारे चलता है। उसने बताया कि रात वह सो रहा था। एक बजे उसकी आंख खुली तो चारों तरफ चीख-पुकार ही सुनाई दे रही थी। कोई बच्चे लेकर भाग रहा था तो कोई अपने वृद्ध माता-पिता को। सलीम ने बताया कि वह भी खुद से चल नहीं सकता है। चीख पुकार सुनकर पड़ोस में रहने वाले हसीब और नसीम अहमद ने गोद में उठाकर बाहर सड़क पर बैठा दिया। अग्निकांड में राहत एवं बचाव कार्य के दौरान यहां रहने वाले पुत्तन और रमजान के हाथ झुलस गए। वहीं, आग पर काबू पाते समय तीन से चार दमकल और फायर कर्मी भी मामूली रूप से झुलसे। सीएफओ विजय कुमार सिंह ने बताया कि आग पर समय रहते काबू पा लिया गया था। नहीं तो हादसा बड़ा हो सकता था। एक साथ एक दर्जन से अधिक गाड़ियां लगा दी गई थीं। इस लिए स्थिति जल्दी सामान्य हो सकी। फौरी जांच में सामने आया है कि आग शार्ट सर्किट अथवा मच्छर भगाने वाली क्वायल से लगी है। आग के कारणों की जांच की जा रही है। यहां रहने वाले प्रकाश यादव के बेटे भानू प्रताप ने बताया कि जमीन नजूल की है। वह पीढ़ियों से यहां पर रह रहें हैं।

वहीं, एलडीए का दावा है कि जमीन उसकी है। इसको लेकर हाईकोर्ट में वाद भी चल रहा है। उनके पिता केस लड़ रहे हैं। भानू प्रताप और कुछ स्थानीय लोगों का कहना है कि जमीन खाली कराने को लेकर आग लगाई गई है। इसकी जांच होनी चाहिए। चाऊमीन का ठेला लगा कर गुजर बसर करने वाले रिंकू सोनकर ने बताया कि आंख खुली तो दरवाजे से आग की भीषण लपटें निकल रहीं थीं। वह पूरे परिवार समेत फंसे हुए थे। घर में रखी दो बाल्टी पानी दरवाजे पर डाला पर आग कम न हुई। मदद की गुहार की तो चारो तरफ चीख-पुकार ही सुनाई दे रही थी इस कारण कोई उनकी मदद के लिए भी नहीं आ सका। किसी तरह पीछे का टट्टर तोड़ा पत्नी पहले पत्नी को बाहर निकला। फिर बच्चों को उसकी गोद में फेंका। इसके बाद नाला कूदने के दौरान गिर गया पैर में चोट भी लग गई। आनन-फानन परिवार को बाहर निकालकर सुकून लिया पर सारी गृहस्थी नहीं बचा सका। वहीं, पुत्तन और रेहान ने बताया कि रात करीब 12:30 बजे वह खाना खाकर लेटे थे। एकाएक झोपड़ी में आग लग गई। किसी तरह उन्होंने बाहर भागकर जान बचाई। घटना की जानकारी पर सोमवार सुबह विधि एवं न्याय मंत्री ब्रजेश पाठक ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी पीड़ितों को ढांढस बंधाते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इसके बाद जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश को फोन कर पीड़ितों का सारा ब्योरा तैयार कराने के लिए कहा। उन्होंने लोगों में सब्जी-पूड़ी और पानी वितरित कराया। इसके बाद जिला प्रशासन के अधिकारी और सदर तहसील के लेखपाल प्रदीप बाजपेयी पहुंचे। उन्होंने सभी पीड़ितों का ब्योरा तैयार किया। किसका कितना नुकसान हुआ है। अधिकारियों को चौखट पर देखकर पीड़ित परिवार की महिलाएं घर से मिले जले हुए नोट और जरूरी दस्तावेज दिखा रहे थें। इसके अलावा कई स्थानीय लोग, व्यापारी और सामाजिक संस्थाओं के लोग पहुंचे। उन्होंने पीड़ितों में पूड़ी सब्जी और तहरी वितरित की। गृहस्थी के साथ ही सिलाई का काम करने वाले नसीम की चार बकरियां चल गईं। नूरजहां के घर में पली बिल्ली और कछुआ भी जल गया। इसके अलावा पुत्तन का ई-रिक्शा रिंकू की स्कूटी समेत दर्जन भर से अधिक दुपहिया वाहन और 12-15 साइकिल जल गईं। पीड़िता नूरजहां और सबनम चीख-चीख कर रो रहीं थीं। नूरजहां ने बताया कि उसकी बेटी सबनम की बेटी तबस्सुम की शादी 18 अक्टूबर को होनी थी। नातिन की शादी के लिए जेवर बनवाए थे। कपड़े खरीदे और रुपये जोड़कर रखे थे। आग में नातिन की शादी के सपने भी जलकर राख हो गए।

अखिलेश यादव ने डॉ0 राममनोहर लोहिया को पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रखर चिंतक, स्वतंत्रता सेनानी एवं समाजवादी विचारधारा के पुरोधा डॉ0 राममनोहर लोहिया की 53वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा लोहिया जी की विचारधारा हमेशा प्रासंगिक रहेगी। सामाजिक अन्याय और विषमता के विरूद्ध उनकी 'सप्तक्रांति' की अवधारणा को अपनाते हुए समाजवादी पार्टी उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संकल्पित है। अखिलेश यादव ने कहा कि डॉ0 लोहिया ने भारतीय राजनीति, समाज और संस्कृति के विभिन्न पहलुओं पर उसकी अच्छाइयों और बुराइयों पर उन्होंने हमेशा खुलकर बहस की और निर्भीकता से अपने विचार रखे। भारत की नई पीढ़ी को उनसे दिशा और प्रेरणा प्राप्त होगी। उन्होंने कहा डॉ0 लोहिया की चिंतनधारा देश काल की सीमा में बंधी नहीं थी वे विश्व नागरिकता का सपना देखते थे। श्री यादव ने कहा कि डॉ0 लोहिया ने सर्वप्रथम पिछड़ों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों को समाज में सम्मान और पद दिए जाने पर बल दिया था और 'सोशलिस्टों ने बांधी गांठ, सौ में पाएं पिछड़े साठ' का नारा दिया था। समाज के कमजोर वर्गो के लिए विशेष अवसर के सिद्धांत का उन्होंने निरूपण किया था। समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय की लड़ाई हमेशा से लड़ती चली आ रही है और समाजवादी सरकार में दलितों, वंचितो, पिछड़ों, महिलाओं तथा अन्य कमजोर वर्गो के हितों का पूरा ध्यान रखा गया था। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की साढ़े तीन वर्षो की उपलब्धि मंहगाई, भुखमरी, बेरोजगारी, अन्याय, अत्याचार है। वह महिलाओं तथा बच्चियों की इज्जत से खिलवाड़ कर रही है।

ऐशबाग के धोबीघाट का इस्लामिक सेन्टर आफइण्डिया के प्रतिनिधि मण्डल ने दौरा किया

लखनऊ, संवाददाता। ऐशबाग में धोबीघाट में कल देर रात आग लगने की वजह से कई झोपड़ियॉ जल गयीं। जिसकी वजह से बड़े पैमाने पर गरीबों का माली नुकसान हुआ। लेकिन पुलिस की समय पर मदद और स्थानीय लोगों की अकलमन्दी की वजह से कोई भी जानी नुकसान नही हुआ। आज इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया फरंगी महल लखनऊ का एक प्रतिनिधि मण्डल जिसमें मौलाना मुहम्मद मुश्ताक, मौलाना अनीस नदवी, मौलाना अब्दुल लतीफ, अदनान खॉ, कलीम खॉ, आसिफ मिर्जा और आसिम मार्शल शामिल थे इस प्रतिनिधि मण्डल की रिपोर्ट के नतीजे में इस्लामिक सेन्टर के चेयरमेन इमाम ईदगाह व काजी शहर लखनऊ मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश से बात करके प्रभावितों को उचित मुआवजा देने की मॉग की। जिलाधिकारी ने यह यकीन दिलाया कि प्रभावितों को उचित मुआवजा उपलब्ध कराया जायेगा।

69000 शिक्षक भर्ती: बेसिक शिक्षा मंत्री ने कहा

31277 शिक्षकों को 16 अक्टूबर को मिलेंगे नियुक्ति पत्र

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में 69 हजार सहायक शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया के तहत 31 हजार 277 शिक्षकों को 16 अक्टूबर को नियुक्त पत्र जारी किये जायेंगे। बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ सतीश चन्द द्विवेदी ने सोमवार को बताया कि 69 हजार सहायक अध्यापक भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत उच्चतम न्यायालय के अंतरिम आदेश का अनुपालन करते हुए 31277 सहायक अध्यापकों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। उन्होने बताया कि न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में प्रथम चरण में 69000 रिक्त पदों के सापेक्ष अभ्यर्थियों को पूर्व आवंटित जिले और आरक्षण को यथावत रखते हुए कुल 69000 पदों की रिक्तियों के सापेक्ष मेरिट व आरक्षण के आधार पर 31277 पदों पर चयन एवं नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। डॉ. द्विवेदी ने बताया कि बेसिक शिक्षा परिषद प्रयागराज द्वारा आज 31277 अभ्यर्थियों की अनन्तिम चयन सूची वेबसाइट पर अपलोड की गई है। उन्होंने बताया कि 31277 पदों पर चयनित अभ्यर्थियों में 15933 अनारक्षित श्रेणी, 8513 अन्य पिछड़ा वर्ग, 6615 अनुसूचित जाति एवं 216 अनुसूचित जनजाति के अभ्यथी हैं। उन्होने बताया कि जिले में काउंसलिंग का आयोजन 14 एवं 15 अक्टूबर 2020 तथा नियुक्ति पत्र 16 अक्टूबर को निर्गत किया जाएगा और चयन एवं नियुक्ति सर्वोच्च न्यायालय में पारित होने वाले अन्तिम आदेश के अधीन होगा।

इंस्पायर एवार्ड मानक पंजीकरण में लखनऊ दूसरे स्थान पर

लखनऊ, संवाददाता। विज्ञान में अभिरूचि रखने वाले कक्षा छः से कक्षा दस तक के स्कूली बच्चों के लिये इंस्पायर एवार्ड मानक एक बहुत बड़ा प्लेटफार्म है। गत वर्ष प्रदेश के अठारह मण्डलों से 31,433 नवाचारी प्रोजेक्ट का पंजीकरण हुआ था। जिसमें 6878 प्राजेक्ट केवल लखनऊ मंडल के ही थे। परन्तु इस बार कोरोना के चलते आज तक लखनऊ मंडल के हरदोई, लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, रायबरेली, व लखीमपुरखीरी जिलों से कुल 4234 पंजीकरण ही हुये है। गत वर्ष भी लखनऊ दूसरे स्थान पर था और इस बार भी मात्र 579 पंजीकरण के साथ दूसरे स्थान पर ही है। आज तक लखनऊ मंडल से कुल 4234 पंजीकरण हुये है। जबकि अन्तिम तिथि में मात्र तीन दिन ही बचे है। मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डा0 दिनेश कुमार ने बताया कि कोरोना के चलते कम पंजीकरण होने के कारण अन्तिम तिथि 30 सितम्बर से बढ़ा कर 15 अक्टूबर कर दी गयी थी।

साइमन कमीशन के खिलाफ लोहिया ने किया था आँदोलन: सपा

लखनऊ, संवाददाता। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर पार्टी के जिला कार्यालय 6, लाजपत राय भवन, कैसरबाग पर जिलाध्यक्ष जयसिंह 'जयन्त' एवं महासचिव शब्बीर अहमद खान की उपस्थिति में स्वतंत्रता सेनानी, प्रखर चिंतक एवं समाजवादी विचारधारा डॉ0 राममनोहर लोहिया की 53वीं पुण्यतिथि पर उनको भवभीनी श्रद्धांजलि देते हुए श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके द्वारा दिये सिद्धांतों एवं विचारों पर भी प्रकाश डाला गया। इस मौके पर श्री जयन्त ने कहा कि डॉ0 राममनोहर लोहिया जी का जन्म 23 मार्च 1910 में उत्तर प्रदेश के अकबरपुर नामक स्थान पर हुआ था। उन्होंने साइमन कमिशन के बहिष्कार के लिए छात्रों के साथ आन्दोलन भी किया। देश की आजादी के लिए लाहिया जी कई बार जेल भी गये, साथ ही ''भारत छोड़ो आन्दोलन'' को धरातल स्तर पर पूरे देश में फैलाया। 12 अक्टूबर 1967 को 57 वर्ष की आयु में उनका देहांत हो गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष रामस्वरूप सिंह यादव, विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर, पूर्व विधायक इन्दल रावत, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी सी0एल0 वर्मा, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी अनुराग यादव, राजबाला रावत, जिला उपाध्यक्ष नवनीत सिंह, महेश सिंह लोधी, कुमकुम यादव, पूर्व राष्ट्रीय सचिव मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड नागेन्द्र सिंह, वरिष्ठ नेता मनोज यादव, मीडिया प्रभारी रमेश सिंह रवि, महिला सभा जिलाध्यक्ष प्रेमलता यादव, सुहागवती, रंजना शर्मा, कामिनी पटेल, सुधा यादव, मनोज यादव, मो0 अकरम, मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड जिला महासचिव मनोज कुमार यादव, युवजन सभा जिलामहासचिव गोविन्द यादव, महोना चेयरमेन एन0इशरत बेग, नगराम चेयरमेन मो0 सुफियान, व्यापार सभा कोषाध्यक्ष संजय यादव, शिवम 'गोलू', आर0पी0 यादव, त्रिभुवन यादव, वीरू सिंह के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महाकाल मंदिर में संत-राष्ट्र सुरक्षा के लिए हुआ रुद्राभिषेक

लखनऊ, संवाददाता। संत और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए राजेन्द्र नगर स्थित प्रतिष्ठित महाकाल मंदिर में आयोजित दो दिवसीय संत-राष्ट्र सुरक्षा अनुष्ठान के अंतिम दिन सोमवार 12 अक्टूबर को चार रुद्राभिषेक हुए। इसके साथ ही बाबा महाकाल काल का दिव्य श्रंगार कर सोमवारीय आरती-पूजन किया गया। इस अवसर पर संत-राष्ट्र सुरक्षा सूत्र भी बांधा गया। अगले चरण में सोशल साइट्स के माध्यम से प्रदेश स्तर पर अभियान का प्रसार किया जाएगा। मंदिर के वरिष्ठ सेवादार अतुल मिश्रा की अगुआई में रविवार 11 अक्टूबर को जहां महामृत्युंजय मंत्र से यज्ञ हुए वही सोमवार को चार रुद्राभिषेक किये गए। आचार्य राम बिहारी की आचार्यत्व में हुए रुद्राभिषेक अनुष्ठान में अनमोल निगम, सची बाजपेई, अटल तिवारी, धमेन्द्र सहित अन्य ने संत-राष्ट्र सुरक्षा के लिए पूजन-अर्चन किया। उज्जैन के महाकाल मंदिर की तर्ज बाबा महाकाल का अष्टगंध, भस्म और मेवे से दिव्य श्रंगार किया गया। आरती के समय परिसर नगाड़ा और झांझ संग जय महाकाल के जयकारों से गूंज उठा। मेवे, फल और मिष्ठान का प्रसाद वितरित किया गया। भक्तों ने प्रशासनिक नियमों का पालन करते हुए बाबा महाकाल के दर्शन कर कोरोना मुक्ति के लिए प्रार्थना भी की।

सीएमएस के पाँच छात्रों को 20 लाख रूपये की स्कॉलरशिप

लखनऊ, संवाददाता। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, राजेन्द्र नगर (प्रथम कैम्पस) के पाँच मेधावी छात्रों को भारत सरकार द्वारा 20 लाख रूपये की स्कॉलरशिप से नवाजा गया है। इन छात्रों में अनुष्का आनंद, मानसी वर्मा, प्रियंका जिंदल, अखिल अग्रवाल एवं उत्कर्ष तिवारी शामिल हैं, जिन्हें भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा 20 लाख रूपये की स्कॉलरशिप प्रदान की जायेगी, तथापि प्रत्येक छात्र को चार लाख रूपये मिलेंगे। सी.एम.एस. के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने बताया कि सी.एम.एस. छात्रों को यह स्कॉलरशिप विज्ञान विषय में उच्च स्तरीय शिक्षा हेतु प्रदान की जायेगी, जिसके अन्तर्गत प्रत्येक छात्र को पाँच वर्षो तक प्रतिवर्ष रु. 80,000/- अर्थात कुल चार लाख रुपये की धनराशि प्रदान की जाएगी। श्री शर्मा ने बताया कि सी.एम.एस. राजेन्द्र नगर (प्रथम कैम्पस) के इन मेधावी छात्रों ने इस वर्ष की आई.एस.सी. (कक्षा-12) परीक्षा-2020 में अपने मेधात्व का अभूतपूर्व परचम लहराते हुए पूरे देश में 'टॉप वन परसेन्ट' मेरिट सूची में स्थान अर्जित किया है।

यूपी सरकार ने महिला संबंधी मामलों में प्राथमिकता के आधार पर फैसला कराने का एचसी से किया अनुरोध

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश शासन ने राज्यभर के न्यायालयों में लंबित महिलाओं से संबंधित अपराधों एवं पॉक्सो अधिनियम के मामलों में प्राथमिकता के आधार पर फैसला कराने का उच्च न्यायालय से अनुरोध किया है। प्रदेश सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव अवनीश कुमार अवस्थी ने सोमवार को बताया कि राज्य सरकार की ओर से उन्होंने उच्च न्यायालय के महानिबंधक को पत्र भेजा है जिसमें कहा गया है कि राज्य सरकार 17 से 25 अक्टूबर तक महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा व सम्मान के लिए विशेष अभियान चलाने जा रही है। अवस्थी ने बताया कि इस पत्र के माध्यम से अभियान के दृष्टिगत राज्य के समस्त न्यायालयों में पोक्सो अधिनियम एवं महिला तथा बाल अपराधों से संबंधित मामलों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किए जाने संबंधी निर्देश न्यायालयों को दिए जाने का अनुरोध किया गया है। अवस्थी ने पत्र में यह भी कहा है कि सरकार ने जांच एजेंसियों, अभियोजन एवं न्यायालय द्वारा निर्णित वादों की समीक्षा के उपरांत यह पाया है कि एक जनवरी 2020 से 30 सितंबर 2020 तक राज्य में कोविड-19 महामारी के प्रकोप के कारण न्यायिक प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न होने के बावजूद प्रदेश में कुल 1835 महिला अपराधों से संबंधित वादों का निस्तारण करते हुए 612 मामलों में आरोपियों को सजा दी गई है। अवस्थी द्वारा लिखे गए पत्र में कहा गया है कि पॉक्सो अधिनियम के कुल 151 मामलों में सजा कराई गई है और इसी अवधि में बलात्कार के 57 मामलों में अभियुक्तों को दस वर्ष या आजीवन कारावास की सजा से दंडित कराया गया है। पत्र में कहा गया है कि राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की ओर से प्रकाशित भारत में अपराध-2019 के आंकड़ों के अनुसार पॉक्सो अधिनियम के वादों का संदर्भ लें तो अनुमानतरू 40,000 से अधिक मामले एवं महिला अपराधों से संबंधित लगभग एक लाख 84 हजार से अधिक वाद लंबित है, इनमें 20,000 से अधिक बलात्कार के गंभीर मामले भी सम्मिलित है। सरकार ने उच्च न्यायालय से अनुरोध किया है कि सभी न्यायालयों में पॉक्सो अधिनियम से संबंधित मामलों का निपटारा प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। इसके लिए सभी जिला एवं सत्र न्यायाधीशों को निर्देश जारी किए जाएं।

संस्थाओं की बर्बादी से कैसे होगी महिला सुरक्षा: प्रीती श्रीवास्तव

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश में महिला और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए महिला समाख्या जैसी महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान व संरक्षण देने वाली संस्था को तत्काल प्रभाव से चलाने और इसमें कार्यरत कर्मचारियों के बाईस माह से बकाएं वेतन व अन्य देयताओं के भुगतान हेतु आज वर्कर्स फ्रंट से जुड़े कर्मचारी संघ महिला समाख्या की प्रदेश अध्यक्ष प्रीती श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री को पत्र ईमेल द्वारा भेजा। पत्र की प्रतिलिपि अपर मुख्य सचिव, महिला एवं बाल कल्याण व निदेशक महिला कल्याण को भी आवश्यक कार्यवाही के लिए भेजी गयी है। पत्र में कर्मचारी संघ की अध्यक्ष प्रीती ने कहा कि आज समाचार पत्रों से ज्ञात हुआ कि सरकार ने प्रदेश में महिला और बाल अपराध से पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने के लिए माननीय उच्च न्यायालय से निर्देश देने की प्रार्थना की है। इससे पहले सीएम ने स्वयं ट्वीटर द्वारा प्रदेश में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए नवरात्रि के अवसर पर प्रभावी विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया है। पत्र में कहा गया कि प्रदेश में महिलाओं के साथ हिंसा राष्ट्रीय स्तर पर बहस का विषय बना हुआ है और इससे सरकार की छवि भी धूमिल हो रही है। हाल ही में घटित हाथरस परिघटना हो या बलरामपुर, बुलन्दशहर, हापुड़, लखीमपुर खीरी, भदोही, नोएडा में हुई महिलाओं पर हिंसा हो, इसकी घटनाएं आए दिन बढ़ रहीं हैं। खुद एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश महिलाओं पर हो रही हिंसा में दूसरे नम्बर पर है। हालत इतनी बुरी है कि महिला और बालिकाओं के अपहरण की पूरे देश में घटी घटनाओं में आधी से ज्यादा घटनाएं अकेले उत्तर प्रदेश में हुई है। इस हिंसा के अन्य कारणों में एक बड़ा कारण यह है कि निर्भया कांड के बाद बनी जस्टिस जे. एस. वर्मा कमीशन की रिपोर्ट के आधार पर महिलाओं, बालिकाओं और बच्चों पर हो रही यौनिक, सांस्कृतिक और सामाजिक हिंसा पर रोक के लिए जिन संस्थाओं को बनाया गया था।

यूपी में कोविड-19 से 44 और लोगों की मौत संक्रमण के 2,234 नए मामले सामने आए

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोविड-19 संक्रमित 44 और लोगों की मौत हो गई तथा 2,234 नए मरीजों में कोरोना वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद ने सोमवार को बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में कोविड-19 संक्रमित 44 और लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही प्रदेश में इस वायरस से मरने वालों की संख्या बढ़कर 6438 हो गई है। उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक 3,93,908 कोविड-19 मरीज पूरी तरह ठीक हो चुके हैं। इस तरह मरीजों के ठीक होने दर बढ़कर 89.5: हो गई है। प्रसाद ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में 2,234 नए मरीजों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि की गई है, मगर इसी अवधि में 3,342 मरीज पूरी तरह ठीक भी हुए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में इस वक्त 38,815 मरीजों का इलाज किया जा रहा है।

कोरोना से जंग जीते कल्याण सिंह,अस्पताल से मिली छुट्टी

लखनऊ, संवाददाता। कोरोना वायरस से संक्रमित उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता कल्याण सिंह को स्वस्थ होने के बाद गाजियाबाद के एक अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। वायरस से संक्रमण की पुष्टि होने के बाद कल्याण सिंह को 16 सितंबर को गाजियाबाद के यशोदा सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बता दें कि कल्यान सिंह को लखनऊ के संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान से यहां कौशाम्बी मेट्रो स्टेशन के पास स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ अनुज अग्रवाल ने बताया कि भाजपा नेता की रिपोर्ट शनिवार को निगेटिव आयी। कल्याण सिंह मधुमेह, उच्च रक्तचाप, पार्किंसन, गुर्दे और हृदय संबंधित बीमारियों से भी पीड़ित हैं। कल्याण सिंह ने इलाज के लिए अस्पताल के कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि बाबरी मस्जिद विध्वंस मामले में बरी होने से वह खुश हैं। उनके पुत्र और एटा से सांसद राजवीर सिंह उस समय अस्पताल में मौजूद थे जब कल्याण सिंह को छुट्टी दी जा रही थी।

गोण्डा में मंदिर में पुजारी पर हमले को लेकर बसपा नेता मायावती ने कानून व्यवस्था पर सवाल उठाया

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के गोण्डा जिले में मंदिर के पुजारी पर हमले को लेकर राज्य की कानून व्यवस्था की आलोचना करते हुये बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने सोमवार को कहा कि एक संत के नेतृत्व वाली सरकार में भी संत सुरक्षित नही हैं। मायावती ने ट्वीट कर कहा, राजस्थान की तरह उत्तर प्रदेश के गोण्डा जिले में भू-माफिआओं द्वारा मन्दिर की जमीन पर कब्जा करने के इरादे से पुजारी पर किया गया जानलेवा हमला अति-शर्मनाक। संत की सरकार में अब संत भी सुरक्षित नहीं। इससे खराब कानून-व्यवस्था की स्थिति और क्या हो सकती है। उन्होंने दूसरे ट्वीट में कहा, उप्र की सरकार इस मामले में सभी पहलुओं का गम्भीरता से संज्ञान लेकर दोषियों के विरूद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करे तथा इस घटना से जुड़े सभी भू-माफिआओं की सम्पत्ति भी जरूर जब्त की जाये। साथ ही, साधु-संतो की सुरक्षा भी बढ़ाई जाये। गौरतलब है कि गोंडा जिले के इटियाथोक थाना क्षेत्र के अन्तर्गत तिर्रे मनोरमा गांव में एक मंदिर के जमीन विवाद को लेकर रविवार को तड़के पुजारी को गोली मार दी गई थी। गंभीर रूप से जख्मी पुजारी का लखनऊ के किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में उपचार चल रहा है। पुलिस ने प्रकरण में चार व्यक्तियों के खिलाफ अभियोग दर्ज करते हुए दो को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय ने बताया था कि तिर्रे मनोरमा गांव में राम जानकी का एक मंदिर है। मंदिर के पास करीब 30 एकड़ जमीन को लेकर गांव के ही कुछ लोगों से विवाद चल रहा है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में अब तक कोविड-19 के 1 करोड़ 20 लाख से अधिक टेस्ट किए जाने पर संतोष व्यक्त किया

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में अब तक कोविड-19 के 01 करोड़ 20 लाख से अधिक टेस्ट किए जाने पर संतोष व्यक्त करते हुए टेस्टिंग कार्य को पूरी क्षमता से संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि कोविड-19 के संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए हर स्तर पर सतर्कता और सावधानी बरतते हुए बचाव और उपचार के प्रभावी प्रबन्ध निरन्तर जारी रखे जाएं। मुख्यमंत्री आज यहां लोक भवन में आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एल-3 कोविड चिकित्सालयों में एस0जी0पी0जी0आई0 से वर्चुअल आई0सी0यू0 तथा एल-2 कोविड अस्पतालों में के0जी0एम0यू0 से वर्चुअल आई0सी0यू0 का संचालन हो। इस व्यवस्था से दोनों चिकित्सा

संस्थानों के वरिष्ठ चिकित्सक मरीजों के उपचार के सम्बन्ध में उचित परामर्श दे सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि इंटीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर पूरी सक्रियता से कार्य करे। कोविड-19 के संक्रमण को रोकने के लिए प्रचार-प्रसार के व्यापक अभियान द्वारा लोगों को निरन्तर जागरूक किया जाए। इस सम्बन्ध में विभिन्न प्रचार माध्यमों के उपयोग साथ-साथ प्रमुख स्थानों पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम स्थापित कर लोगों को जानकारी दी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता तथा सेनिटाइजेशन के सम्बन्ध में वर्तमान में संचालित किए जा रहे विशेष अभियान के अन्तर्गत ग्रामीण और शहरी इलाकों में प्रभावी कार्यवाही की जाए। सभी क्षेत्रों में साफ-सफाई एवं सेनिटाइजेशन के साथ-साथ एन्टी लार्वा रसायन का छिड़काव किया जाए। उन्होंने अभियान की गहन मॉनिटरिंग किए जाने के निर्देश देते हुए कहा कि अभियान में की जा रही कार्यवाही जमीनी स्तर पर दिखनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने आगामी पर्वो को ध्यान में रखते हुए बिजली की व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि दाल और सब्जी के मूल्यों को नियंत्रित रखने के लिए प्रभावी कार्यवाही करते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि आम जनता को आवश्यक खाद्य सामग्री उचित मूल्य पर प्राप्त हो। इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना, स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह, स्वास्थ्य राज्य मंत्री अतुल गर्ग, मुख्य सचिव आर0के0 तिवारी, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टण्डन, कृषि उत्पादन आयुक्त आलोक सिन्हा, अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी, पुलिस महानिदेशक हितेश सी0 अवस्थी, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद, अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा डॉ0 रजनीश दुबे, अपर मुख्य सचिव ग्राम्य विकास एवं पंचायतीराज मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव कृषि देवेश चतुर्वेदी, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एस0पी0 गोयल, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा अरविन्द कुमार, अपर मुख्य सचिव महिला कल्याण एस0 राधा चौहान, प्रमुख सचिव पशुपालन श्री भुवनेश कुमार, प्रमुख सचिव नगर विकास दीपक कुमार, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एवं सूचना संजय प्रसाद, राहत आयुक्त संजय गोयल, सचिव मुख्यमंत्री आलोक कुमार, सूचना निदेशक शिशिर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य विभाग भ्रष्टाचार की ऑडियो, मंत्री बिना पैसे सिरारिश नहीं करेंगे

लखनऊ, संवाददाता। एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से स्वास्थ्य भवन में अपर निदेशक, लखनऊ डॉ. दीपा त्यागी और एमएमजी अस्पताल, गाजियाबाद के वार्ड ब्वॉय विनोद की 06.26 मिनट की एक ऑडियो में विभागीय अफसरों एवं एक राज्यमंत्री पर लगाये गए गंभीर आरोपों की जाँच करवाए जाने की मांग की है,ऑडियो में डॉ त्यागी कहती हैं कि एमएमजी अस्पताल, गाजियाबाद के सीएमएस डॉ अनुराग भार्गव ने घूस की रेट चार गुणा कर दी है. एमबीबीएस के इंटर्न पहले काम पर नहीं आने के 20,0000 रुपये साल देते थे, जो डॉ भार्गव ने सीधे 80,000 रुपये कर दिए, 40,000 पहले और 40,0000 बाद में. अपर निदेशक मेरठ डॉ रेनू गुप्ता ने छुट्टी लेने के लिए 200 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से 6,000 प्रति माह को 15,000 हजार कर दिए।

देश हो हिन्दू राष्ट्र घोषित कराने हेतु परमहंसदास का आमरण अनशन शुरू

अयोध्या। हिंदू राष्ट्र की मांग को लेकर तपस्वी छावनी के जगद्गुरु परमहंस आचार्य ने अन्न-जल का परित्याग कर आमरण-अनशन शुरू किया। वह अपने आश्रम परिसर में अशोक वृक्ष के नीचे सोमवार ब्रहम मुहूर्त से अनशन पर बैठ गए हैं। अनशन के प्रथम दिवस विश्व हिंदू रक्षा संगठन व देव सेना दिल्ली समेत अन्य हिंदूवादी संगठनों ने इन्हें अपना समर्थन दिया है। इससे पहले स्वामी परमहंस भव्य राममंदिर निर्माण के लिए 12 दिनों तक आमरण-अनशन कर चुके हैं। इस बार वह हिंदू राष्ट्र की मांग को लेकर अनशन पर बैठे हैं। उन्होंने कहाकि जब देश का बंटवारा धर्म के आधार पर हो गया। तो भारत को क्यो ना हिंदू राष्ट्र घोषित किया जाए। 6 महीने पहले ही हमने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री व मुख्यमंत्री को पत्र भेंजकर अवगत करा दिया था कि भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित किया जाए। नही तो मैं 12 अक्टूबर से आमरण-अनशन पर बैठूंगा। लेकिन हिंदू राष्ट्र नही घोषित किया गया। इसलिए मुझे बाध्य होकर अनशन पर बैठना पड़ा। जगद्गुरू ने कहाकि जब 1947 में देश का विभाजन हुआ और पाकिस्तान को धर्म के आधार पर मुस्लिम कंट्री घोषित कर दिया गया। तो फिर भारत के साथ भेदभाव क्यों हुआ? यह सोचने वाला विषय है।

आजादी के बाद जम्मू कश्मीर में हिंदूओं के साथ जो बर्बरता हुई। पूरे विश्व में कहीं भी उसका उदाहरण नहीं मिलता है। हिंदू भाइयों को बेघर कर दिया गया। बहन-बेटियों के साथ दुराचार हुआ। वर्तमान समय पश्चिम बंगाल में भी दूसरा जम्मू-कश्मीर दोहराया जा रहा है ऐसे में हिंदू राष्ट्र की नितांत आवश्यकता है। उन्होंने कहाकि जो मुस्लिम समाज भारत में रहता है। वह खाता है भारत की और देश विरोधी नारे लगाने में सबसे आगे रहता हैं ।भारत माता की जय व वंदे मातरम बोलने में इन्हें शर्म आती है। अगर भारत हिंदू राष्ट्र घोषित नही किया गया। तो भविष्य में देश का विभाजन होना निश्चित है। इसको देखते हुए मैंने सौ करोड़ हिंदुओं के संरक्षण हेतु आज से अन्न-जल त्याग दिया है। जब तक भारत हिंदू राष्ट्र घोषित नहीं किया जाएगा। तब तक मैं अनशन पर बैठा रहूंगा। इसके लिए चाहे मेरी जान ही क्यों न चली जाए। देश और हिंदू राष्ट्र के लिए अपने शरीर का परित्याग दूंगा।

कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ अध्यक्ष, उपाध्यक्ष मंत्री सहित 21 प्रत्याशियों ने खरीदा पर्चा

मतदान 19 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से 3 बजे तक होगा उसी दिन मतगणना 4 बजे तक घोषित हो जाएंगी

गोरखपुर/मिनिस्ट्रियल कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ उत्तर प्रदेश शाखा गोरखपुर का चुनाव प्रक्रिया जिलाधिकारी के विजयेंद्र पांडियन के निर्देश पर पर्चा दाखिला मुख्य चुनाव अधिकारी भरत लाल श्रीवास्तव सहायक चुनाव अधिकारी खलीलुल्लाह के देखरेख में हुआ प्रारंभ। अध्यक्ष पद के लिए कृष्ण कुमार गौतम सुरेंद्र नारायण पांडेय राजेंद्र कुमार शर्मा अश्वनी कुमार पांडेय उपाध्यक्ष ओमप्रकाश-प्रथम अतीक उल्लाह अंसारी शिव नाथ मौर्या मंत्री पद हेतु विश्ववेश शुक्ला रितेश कुमार शर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यभान चौधरी अश्वनी दुबे कोषाध्यक्ष पंकज कुमार श्रीवास्तव संजय कुमार ऑडिटर अश्वनी कुमार श्रीवास्तव नजरुल इस्लाम संगठन मंत्री अरविंद कुमार श्रीवास्तव गिरजेश कुमार संयुक्त मंत्री कदर रजा रिजवी संतोष निषाद सांस्कृतिक /क्रीड़ा मंत्री विभ्राट , चंद्रमणि यादव सहित कुल 21 प्रत्याशियों ने पर्चा खरीदा 13 अक्टूबर को पर्चा वापसी /पर्चा चेक प्रक्रिया 4 बजे तक की जाएगी 19 अक्टूबर को 129 मतदाता अपने अपने मताधिकार का सुबह 10 बजे से अपराह्न 3 बजे तक प्रयोग करते हुए अपने-अपने प्रत्याशियों का चुनाव करेंगे 4 बजे अपराह्न से मतगणना विजयी प्रत्याशियों की घोषणा तक की जाएगी।

निर्वाचन आयोग के पोर्टल पर सभी सुविधायें एक ही स्थान पर रहेंगी उपलब्ध

संतकबीर नगर। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा ठ्1ह्यश्च.द्वठ्ठ पोर्टल को नये पोर्टल URL://voter-portal.eci.gov.in के रूप में परिवर्तित किया जा रहा है ।इस नये पोर्टल पर विभिन्न प्रकार की सुविधायें एक ही स्थान पर उपलब्ध रहेंगी, जैसे सभी प्रकार के फार्मो (फार्म-6, 6क, 7,8 तथा 8क) को ऑनलाइन भरा जाना, मतदाता सूची में नाम सर्च करना, शिकायता दर्ज कराना तथा निर्वाचनों की सूचना आदि से सम्बंधित सूचनाएं देखने/प्रवृष्टियों को दर्ज करने से सम्बंधित सभी सुविधा उक्त नये फार्म पर उपलब्ध रहेगी।

ई-लोक अदालत का आयोजन 01 नवम्बर को

संतकबीर नगर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, संत कबीर नगर के तत्वावधान में विशिष्ट मामलों के निस्तारण हेतु ई-लोक अदालत का आयोजन किए जाने के संबंध में जानकारी देते हुए सचिव/सिविल जज (सीनियर डिवीजन), जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सत्य प्रकाश आर्य ने बताया है कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा मोटर एक्सीडेंट क्लेम केसों के निस्तारण हेतु ई-लोक अदालत का आयोजन दिनांक 01-11-2020 को किया जाएगा । उन्होंने बताया कि ई- लोक अदालत के आयोजन का मुख्य उद्देश्य पक्षकारों के मध्य आपसी सहमति एवं सुलह समझौते के आधार पर न्यायालय के समक्ष लंबित मामलों का त्वरित निस्तारण करना है।

कच्ची शराब के कारोबारी को पुलिस किया गिरफ्तार

गोरखपुर/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जोगेंद्र कुमार के आदेश पर अवैध शराब के विरुद्ध चल रहे पुलिस अभियान के क्रम में 35 लीटर अवैध अप मिश्रित कच्ची शराब व 500 ग्राम यूरिया व 200 ग्राम नौसादर के साथ एक युवक को पल्सर मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया। टीपीनगर पुलिस चौकी प्रभारी अवधेश मिश्रा ने बताया मु. अ. सं. 701 /20 धारा 272 आईपीसी7 व 60 आबकारी अधिनियम के तहत पंजीकृत कराया गया।

अब गोरखपुर में होगा लाइट, कैमरा और एक्शन

शूटिंग भी करब और आप लोगन क सेवा भी -रवि किशन शुक्ल

गोरखपुर/मशहूर भोजपुरी फिल्म अभिनेता गोरखपुर के भाजपा सदर सांसद रवि किशन शुक्ल ने सोमवार को एनेक्सी भवन में प्रेस वार्ता की।इसमें उन्होंने गोरखपुर सहित पूरे पूर्वांचल में फिल्म उद्योग के रूप में नए रोजगार ?सृजन की अपार सम्भावनओ और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला।

सदर सांसद रवि किशन शुक्ल ने कहा कि वैश्विक् महामारी कोरोना से पूरे विश्व् में रोजगार का संकट पैदा हो गया है।देश में भी लॉकडाउन में बहुत लोग बेरोजगार हो गए है।इस कठिन समय में गोरखपुर में एक नए रोजगार का सृजन हो रहा है । जिससे न सिर्फ गोरखपुर बल्कि पूरे पूर्वांचल में रोज़गार के अवसर उपलब्ध होंगे।गोरखपुर भोजपुरी फिल्मो का गढ बनेगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सांसद रवि किशन ने कहा कि महराज जी और हम सबने गोरखपुर में जो फिल्म सिटी का सपना देखा था वो मुख्यमंत्री जी के सहयोग से साकार होते दिख रहा है।गोरखपुर में 5 भोजपुरी फिल्म और वेब सीरीज क्राइम स्टॉप की शूटिंग हो रही है।500 एपिसोड के इस वेब सीरीज के 60 एपिसोड की शूटिंग गोरखपुर में हो रही है।और भी कई फिल्मो की योजनाए बनायीं जा रही है।मुम्बई के निर्माता निर्देशक गोरखपुर में काम करने को उत्साहित है।

रोजगार की अपार संभावनाओ का होगा सृजन

सांसद रवि किशन ने कहा कि मुम्बई से आए निर्माता लोकल कलाकारों को महत्व् दे रहे हैं।अभिनेताओ, टेक्निशियन, कैमरामैन, स्पॉट बॉय सभी लोकल लिए जा रहे है।ऐसे में बाहर का पैसा गोरखपुर की धरती पर आ रहा है,यहाँ के युवाओं को मौका मिलेगा।गोरखपुर में 1200 कलाकारों को मौका मिलने जा रहा है।और लोग भी जुड़ेंगे।

एक नहीं अनगिनत रवि किशन होंगे तैयार

फिल्म स्टार रवि किशन ने कहा कि मैंने जो संघर्ष किया है वो किसी और कलाकार को न करना पड़े।अपना घर परिवार छोड़कर न जाना पड़े।इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए गोरखपुर में फिल्म उद्योग के विकास के लिए हर संभव प्रयास कर रहा हूँ,ताकि एक नहीं अनगिनत रवि किशन यहाँ से निकले।

एब्जि कूल चैनल के एम डी रनवीर सिंह ने बताया कि गोरखपुर व आस पास बहुत सारे खूबसूरत लोकेशन है जँहा क्राइम स्टॉप की शूटिंग की जाएगी।रवि किशन इस वेब सीरीज को होस्ट कर रहे हैं।यहाँ सारी सुविधाएं उपलब्ध है।सभी का सहयोग रहा है। वेव सीरीज के निर्माता बॉबी सिंह ने बताया कि सोचा नहीं था कि मुम्बई से अच्छे कलाकार यहाँ मिलेंगे। निर्देशक मनोज सिंह ने बताया कि गोरखपुर में काम के प्रति लोगों का समर्पण देखने लायक है।मैंने कई फिल्मो का निर्देशन किया है,गोरखपुर में रवि किशन जी के साथ काम कर के अलग तरहका अनुभव मिला।गोरखपुर में फिल्म उद्योग की अपार संभावाये है। उक्त अवसर पर एब्जि कूल चैनल के एम डी रनवीर सिंह ,क्राइम स्टॉप के निर्माता बॉबी सिंह,यूपी प्रभारी जावेद, पवन दुबे ,समरेन्द्र विक्रम सिंह ,रणंजय सिंह जुगनू सहित कई लोग उपस्थित रहे।

दुबौलिया ब्लाक के प्रथम संस्थापक पूर्व ब्लाक प्रमुख स्व. जय प्रकाश सिंह स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

दुबौलिया। थाना क्षेत्र के अंतर्गत दुबौलिया ब्लॉक के प्रथम संस्थापक पूर्व ब्लाक प्रमुख स्वर्गीय जय प्रकाश सिंह स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन (सांड़पुर) राइजिंग क्रिकेट टीम की तरफ से 15 अक्टूबर 2020 से सांड़पुर सर्बोदय विद्यालय पे प्रारम्भ हो रहा है जिसके आयोजक- अंकुर सिंह ,आनंद सिंह प्रबंधक- संतोष सिंह कोषाध्यक्ष-सिम्पू सिंह ,रजत सिंह स्व. जय प्रकाश सिंह स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट के सदस्य- सागर सिंह ,बैभव सिंह ,पवन सिंह ,रानू,रितेश,गोलू ,राहुल ,दीपक,सौरभ , रणजय, अमन,चंदन,नीलेश, प्रिंस आदि के निगरानी में सम्पन्न होगा।

सीएचसी/पीएचसी पर कार्यरत 09 कर्मचारी जॉच में मिले अनुपस्थित

बस्ती। 12 अक्टूबर को विभिन्न सीएचसी/पीएचसी पर कार्यरत 09 कर्मचारी जॉच में अनुपस्थित पाये गये। जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन ने ''नो वर्क नो पे'' के आधार पर उनका एक दिन का वेतन काटने का निर्देश दिया है। अनुपस्थित पाये गये 02 स्थायी तथा 07 संविदा/आउटसोर्सिंग के कर्मचारी है। स्थायी कर्मचारियों में सीएचसी मरवटिया में 01 कर्मचारी एल0डी0सी0 उमरूल कैसजहां तथा विक्रमजोत में 01 कर्मचारी एम0ओ0 डॉ0 विपिन सिंह ड्यूटी स्थल पर अनुपस्थित पाये गये। इसी प्रकार संविदा/आउटसोर्सिंग कर्मचारियों में सीएचसी रूधौली में 03 कर्मचारी एम0ओ0 डॉ0 संजय श्रीवास्तव, एम0ओ0 डॉ0 प्रवीन चैधरी एवं नीलम गौड़, परसरामपुर में 01 कर्मचारी शशि रावत, कुदरहॉ में 01 कर्मचारी स्टाफ नर्स दिनेश यादव, सॉउघाट में 01 कर्मचारी एम0ओ0आर0एस0बी0के0 डॉ0 माधवी सिंह, कप्तानगंज में 01 कर्मचारी ए0आर0ओ0 ठाकुर प्रसाद यादव ड्यूटी स्थल पर अनुपस्थित पाये गये।

सीताराम गौड अध्यक्ष अनुसूचित जनजाति गोरखपुर बनाए जाने से पार्टी मजबूत होगी: जयप्रकश यादव

गोरखपुर/ समाजवादी मजबूत कार्यालय पर डॉ राम मनोहर लोहिया जी की पुण्यतिथि के अवसर पर उनके चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए नगीना प्रसाद साहनी जिला अध्यक्ष समाजवादी पार्टी गोरखपुर जयप्रकाश यादव जिला उपाध्यक्ष समाजवादी पार्टी गोरखपुर प्रभारी कैंपियरगंज विधानसभाअखिलेश यादव महासचिव प्रहलाद यादव अवधेश यादव कृष्ण कुमार त्रिपाठी विकास यादव एडवोकेट सुनील कुमार आजाद एडवोकेट मुन्नी लाल यादव सुनील यादव सुरेंद्र मौर्य रामा यादव धर्मेंद्र यादव राम लखन गॉड आदर्श पांडे विष्णु मोहन सिंह मदन कुमार चौरसिया सुमन पासवान समाजवादी पार्टी कार्यालय पर सीताराम को अध्यक्ष अनुसूचित जनजाति बनाए जाने पर आज पार्टी कार्यालय पर जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में उनका स्वागत करते हुए हम समाजवादी लोग इसी क्रम में राहुल यादव यू जनसभा जिला अध्यक्ष गोरखपुर के नव मनोनीत पदाधिकारियों का माला पहनाकर स्वागत किया गया और संतोष यादव उपाध्यक्ष अधिवक्ता सभा गोरखपुर जी का भी आज समाजवादी पार्टी कार्यालय पर फूल मालाओं से स्वागत किया गया कार्यक्रमआए हुए सभी समाजवादी साथियों का स्वागत करते हुए जयप्रकाश यादव ने कहा आज समाजवादी पार्टी के प्रति राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जी के विचारों को मानकर उत्तर प्रदेश को खुशहाल देखने के लिए 2022 में हम संकल्प लेते हैं उत्तर प्रदेश की हालत दिन प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है आए दिन हत्या लूट बलात्कार जैसी घटनाएं रोज घट रही हैं उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार फेल हो चुकी है आए दिन किसानों नौजवानों छात्रों पर लाठीचार्ज किया जा रहा है गरीबों नौजवानों की आवाज को दबाया जा रहा है भाजपा सरकार की इस कृतिका निंदा करते हैं।

कप्तानगंज सीएचसी मामले की बीजेपी द्वारा गठित की गई जांच टीम

कप्तानगंज। कप्तानगंज के सीएचसी मामले में भारतीय जनता पार्टी ने जांच टीम गठित करने का आदेश दिया है जांच टीम को आगे बढ़ाते हुए राजेंद्र प्रसाद तिवारी,श्रीकांत सिंह,अशोक गुप्ता,रामचरण चौधरी व राम श्रृंगार ओझा ने सीएचसी पहुंचकर प्रकरण की जांच की जिसमें जांच टीम के सदस्यों ने डॉ विनोद से घटना का पूरा विवरण जाना जिसमें कुछ की अनुपस्थिति व कुछ सवालों के जवाब डॉक्टर द्वारा स्पष्ट नहीं किए गए जांच टीम द्वारा न्यायिक जांच की गई जिसकी रिपोर्ट कल जिलाध्यक्ष को सौंपी जाएगी।

मुफ्त में चमकाने का झांसा देकर महिला के जेवर ले उड़े जालसाज

महिलाओं का रो रो कर बुरा हाल

गोरखपुर/चिलुवाताल थाना क्षेत्र के परमेश्वरपुर गांव के जीतपुर पश्चिमी टोले पर सोमवार को दोपहर मे बाइक से आए दो जालसाज एक ही परिवार के तीन महिलाओं का जेवर साफ करने का झांसा देकर करीब एक लाख से अधिक रुपये के जेवर ले उड़े। भागते समय लोगों ने कुछ दूर तक उनका पीछा भी किया मगर वे भागने मे सफल हो गये।

मिली जानकारी के मुताबिक सोमवार को दोपहर करीब 12 बजे एक ही बाईक से दो युवक आए बाईक कुछ दूर खड़ा कर पहले वे अखिलानंद वर्मा के घर गये और अपने को कम्पनी का प्रचारक बता कर बर्तन साफ करने के लिए मांगा महिलाओं ने तांबे का जग दिया जिसे जालसाज साफ करने के बाद जेवर साफ करने के लिए मांगे, संदेह होने पर महिलाओं ने जालसाजों को डांट कर भगा दिए।फिर वे उसी गांव में देवीलाल के घर गये और उनकी पत्नी मंजू देवी से एक डब्बा निकाल कर दिखाते हुए कम्पनी का प्रचारक बताते हुए बर्तन साफ करने को बोले तो मंजू ने बताया अभी बर्तन खाली नही है तो जालसाजों की नजर मंजू देवी के पैर मे पड़े पायल पर पड़ी जिसे निकलवा कर एक कटोरा मंगा कर उसमे साफ कर लौटा दिए फिर अन्य जेवर भी साफ करने के लिए मांगे जिसपर मंजू देवी ने उनके झांसे मे आकर कान से सोने का टप्स तथा गले से मंगलसूत्र निकाल कर दे दिया। साथ ही पास मे बैठी परिवार के ही जयराम की बेटी झूना ने कान का टप्स, मंगलसूत्र,व पायल तथा नेबूलाल की बेटी चांदनी ने भी कान से टप्स व एक जोड़ा पायल निकाल कर साफ करने को दे दिया।बताया जा रहा है कि जालसाज सभी जेवर कटोरे मे कुछ पानी तथा लाल पाउडर डाला और उसमे जेवर रखकर गैस पर गर्म करने के लिए किचन मे गया और गैस पर रख कुछ देर बाद निकालने को कह कर बाहर निकल कर दोनो जाने लगे कुछ देर बाद जब महिलाओं ने कटोरे मे देखा तो उसमे का सारा जेवर गायब था जिसपर वे शोर मचाने लगी शोर सुनकर आसपास के लोग दौड़े और जालसाजों का पीछा किए मगर वे भागने मे सफल हो गये।घटना की सूचना लोगों ने पुलिस कंट्रोल रुम को दी सूचना पाकर चिलुवाताल थाना प्रभारी नीरज राय पहुंच गये, उसके बाद ही एसपी क्राईम अशोक वर्मा,शशांक सिंह एवं सोनम कुमार भी पहुंच कर पीड़ितों से जानकारी ली।

आरजेबी पुलिस ने चोरी का सामान सहित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

अयोध्या। राम जन्म भूमि थाना अयोध्या पुलिस को एक बड़ी समय सफलता मिली है। जिसके चलते चोरी का सामान सहित पुलिस ने एक अभियुक्त को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। अभियुक्त के विरुद्ध मुकदमा कायम किया गया है। इस सम्बंध में थाना अध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि रामकृपाल उर्फ नाटे यादव पुत्र स्वर्गीय रामसेवक यादव निवासी फटीक शिला थाना कोतवाली अयोध्या जनपद अयोध्या है। इसे चोरी का सामान के साथ समय करीब 12.10 बजे नेपाली चौराहा सप्त सागर कॉलोनी के पास से गिरफ्तार किया गया। जिसे जेल भेजा जा रहा है जिसके सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर पंजीकृत मुअस 51/20 धारा 380,504,506 भादवि मे पंजीकृत किया गया। इसके पास से 06 अदद् पंखे का प्लेट,02 अदद् सिलिंग फैन का मोटर,01 अदद् पतीला पीतल का बरामद हुवा है। इसको गिरफ्तार करने में कटरा चौकी प्रभारी राजेन्द्र कुमार यादव,चीता सिपाही अब्बास हुसैन आदि शामिल रहे। अभियुक्त को जेल गया।

युवा कलाकार ने सदर सांसद रवि किशन शुक्ल का बनाया स्केच

गोरखपुर/ एनेक्सी भवन में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान गोरखपुर के ग्रामीण अंचल से आये कलाकार ने उनवल के मनोनीत सभासद शिव कुमार शाह की उपस्थित में सदर सांसद रविकिशन शुक्ल को पेन्सिल से बनाया गया उनका स्केच भेंट किया। बताते चलें कि गोरखपुर के दक्षिणांचल स्थित त्रिलोकपुर बेलघाट के वेदांत पांडेय पुत्र अशोक पांडेय उरुवा बाजार स्थित श्री राम रेखा सिंह इंटर कॉलेज में 11वीं क्लास के छात्र हैं। वेदांत की प्रतिभा को देखकर सांसद शुक्ल समेत वहां उपस्थित लोगों ने युवा कलाकार का उत्साहवर्धन किया।

पुलिस ने अवैध कच्ची शराब के साथ चार महिलाओं को किया गिरफ्तार

गोरखपुर/खोराबार थाना प्रभारी नासिर हुसैन के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर जंगल अयोध्या प्रसाद के मडहला टोले मेंएक कच्चे मकान पर छापा मारकर शराब की भट्ठी द्वारा कच्ची शराब बना रही चार महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार की गई महिलाओं के पास से दो प्लास्टिक पिपिया में 20-20 लीटर तरल पदार्थ, बाज किलोग्राम यूरिया, एक किलोग्राम नौशाद, दो सौव किलोग्राम लहन बरामद किया गया है।

गिरफ्तार चारों महिलाओं की पहचान राजमती पत्नी स्वर्गीय बासदेव, फोटो पत्नी बाढु,रितु पत्नी पप्पू, शांति देवी पत्नी सुग्रीव निवासी बसंतपुर राजघाट व किशन पुत्र सूरज निवासी जंगल अयोध्या प्रसाद मडहला टोला खोराबार के रूप में हुई है।

ऑनलाइन गुंडागर्दी पर लगे लगाम

आजकल नये किस्म के गुंडे बढ़ते जा रहे है. ये सूचना युग के ऑनलाइन गुंडे हैं, जो अदृश्य रह कर शिकार करते हैं. ये सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते हैं. ये आमतौर पर कानून के शिकंजे से बचे रहते हैं. इन्हें ट्रोल्स कहते हैं. ट्रोलिंग अब हमारे समाज के लिए बहुत बड़ी समस्या बन चुकी है. हम जानते हैं कि सोशल मीडिया हमारी जिंदगी का एक हिस्सा बन चुका है, मगर ट्विटर और फेसबुक ऐसे घिनौने लोगों पर लगाम लगाने में नाकामयाब रहा है. आइटी एक्ट में ऐसे लोगों के लिए कड़े दंड का प्रावधान है, फिर भी ट्रॉलर्स छुट्टा घूम रहे हैं. पिछले दिनों ऐसा ही एक मामला सामने आया, जिसमें चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धौनी को लेकर सोशल मीडिया पर नफरत फैलाने वाले एक शख्स ने उन्हें और उनकी पांच वर्षीय बेटी जीवा को धमकी दी है. पिछले कुछ समय से ट्विटर पर धौनी को हेटर्स ट्रोल कर रहे हैं और वे लोग उनकी मासूम बच्ची को भी नहीं बख्श रहे हैं. सोशल मीडिया पर धमकी की वजह यह है कि धौनी का आइपीएल में प्रदर्शन निराशाजनक है. धौनी की बेटी के बारे में जिस तरह की टिप्पणी एक यूजर ने की, वह कतई स्वीकार्य नहीं है. ऐसे व्यक्ति को हर हाल में सजा मिलनी चाहिए. ट्रोलर्स के भद्दे कमेंट्स के खिलाफ देशभर से धौनी और जीवा के समर्थन में लोग सामने आये हैं. पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने ट्विटर के माध्यम से ऐसे ट्रोलर्स को लताड़ा है. उन्होंने ट्वीट किया कि सभी खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करते हैं. कई बार ऐसा होता है कि लोग इसमें सफल नहीं पाते हैं, लेकिन यह किसी को भी अधिकार नहीं देता कि वह उनके बच्चों को धमकी दे. सोशल मीडिया, खासकर ट्विटर और फेसबुक कुत्सित और परपीड़क मानसिकता वालों का अड्डा बनता जा रहा है. सोशल मीडिया पर महिलाओं का पीछा करनेवाले, असभ्य भाषा का इस्तेमाल करनेवाले बढ़ते ही जा रहे हैं. पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा था कि हाल के दिनों में जिस चीज का सबसे ज्यादा दुरुपयोग हुआ है, वह है अभिव्यक्ति की आजादी. सोशल मीडिया पर आये दिन इसके उदाहरण देखने को मिल जाते हैं. आप अंदाजा नहीं लगा सकते कि स्थिति कितनी गंभीर है. पिछले दिनों सोशल मीडिया पर 'रेप कैसे करें' जैसी पोस्ट वायरल हो गयी थी. पश्चिम बंगाल पुलिस ने इसकी जांच शुरू की है. पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में यह पोस्ट भारत के बाहर की लगती है और इसे कुछ लोकल सोशल मीडिया हैंडल्स ने शेयर किया है. महिला संगठनों ने इस पोस्ट का स्क्रीनशॉट्स शेयर कर पुलिस से कार्रवाई की मांग की है. ट्रोलिंग करने के पीछे कई कारण हो सकते हैं.

ट्रोलिंग मजे के लिए भी हो सकती है और सुनियोजित भी हो सकती है. मौजूदा समय में सभी बड़े राजनीतिक दलों के पास ट्रोल्स की बड़ी फौज है. उनका काम है पार्टी के पक्ष में माहौल बनाना और इस बात का ध्यान रखना कि उनके खिलाफ सोशल मीडिया में कोई नकारात्मक राय न बन पाए. साथ ही पार्टी से जुड़े ये ट्रोल विरोधी दल की नकारात्मक छवि पेश करने की हर संभव कोशिश करने में भी जुटे रहते हैं. चुनावों में तो इनकी भूमिका और बढ़ जाती है. कॉरपोरेट ट्रोलिंग में कारोबारी हिसाब चुकता किये जाते हैं. जैसे किसी प्रतिस्पर्धी कंपनी के बारे में बेबुनियाद बातें फैलायी जाती हैं और अपनी कंपनी के बारे में सुनहरी तस्वीर पेश की जाती हैं, ताकि निवेशकों का भरोसा बना रहे. कुछ लोग तो ऐसे हैं, जिनके पीछे ट्रोल लगातार पड़े रहते हैं. इनमें से एक हैं अनुष्का शर्मा. विराट कोहली को लेकर वह हमेशा निशाने पर रहती हैं. विराट के अच्छा न खेलने पर अनुष्का को निशाना बनाया जाता है और उन पर असभ्य टिप्पणियां की जाती हैं. एक बार तो विराट कोहली को कहना पड़ा था कि भगवान के लिए अनुष्का शर्मा को इसमें न घसीटो. ऐसा देखा गया है कि महिलाओं को ट्रोलिंग का ज्यादा निशाना बनाया जाता है. अक्सर ट्रोलर्स के तथ्य भी सही नहीं होते हैं. मिसाल के तौर पर धौनी को ही लें. धौनी की कप्तानी की वजह से चेन्नई सुपर किंग आइपीएल इतिहास की सबसे सफल टीमों में से एक है. धौनी की कप्तानी में सीएसके ने तीन खिताब जीते हैं. धौनी अपनी टीम को आइपीएल में 100 से अधिक मैच जिताने वाले अकेले कप्तान हैं. पिछले साल उनकी टीम फाइनल तक पहुंची थी, जबकि 2018 में उसने खिताब जीता था. इस सीजन की शुरुआत सीएसके ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत से की थी. यह सही है कि इसके बाद से टीम ने लगातार कई मैच गंवाये. धौनी ही क्या, कोई भी खिलाड़ी हमेशा फॉर्म में नहीं रह सकता है.

हर खिलाड़ी के खेल जीवन में उतार-चढ़ाव का दौर आता है, लेकिन धौनी विकेट के पीछे आज भी उतने ही सक्रिय हैं. धौनी ने केकेआर के खिलाफ मैच में जिस तरह का कैच पकड़ा, वैसा कम ही देखने को मिलता है. ड्वेन ब्रावो की गेंद का सामना केकेआर के बल्लेबाज शिवम मावी कर रहे थे. ब्रावो की गेंद पर मावी ने गेंद को हिट करने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले का बाहरी किनारा लेती हुई विकेट के पीछे गयी. इस पर धौनी ने गेंद को कैच करने के लिए अपनी दाहिनी तरफ डाइव लगायी, लेकिन गेंद उनके हाथ से लगकर थोड़ी दूर चली गयी, पर धौनी ने कमाल की फुर्ती दिखाते हुए वह कैच पकड़ ही लिया. विकेट के पीछे आइपीएल के इस सीजन का यह सर्वश्रेष्ठ कैच माना जा रहा है.

धौनी वह खिलाड़ी हैं, जिसे भारतीय क्रिकेट प्रशंसक कभी भुला नहीं पायेंगे. आप ऐसे खिलाड़ी का नाम गिनाएं, जिसने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कोई शॉट दिया हो. धौनी ने क्रिकेट को हेलीकॉप्टर शॉट दिया और आज दुनिया के सभी दिग्गज खिलाड़ी उसे लगाने की कोशिश करते हैं. मैं पहले भी कहता आया हूं कि धौनी का सबसे बड़ा योगदान यह है कि उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम का चाल, चरित्र और चेहरा बदल दिया. इसके पहले भारतीय क्रिकेट टीम में केवल मुंबई और दिल्ली के खिलाड़ियों का बोलबाला था. झारखंड से निकले इस क्रिकेटर ने न केवल टीम में जगह बनायी, बल्कि उसे नयी ऊंचाइयों तक ले गया.

उसने टीम का न केवल सफल नेतृत्व किया, बल्कि छोटी जगहों से आने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए टीम में आने का रास्ता भी खोला. इसमें तो कोई दो राय नहीं है कि उन्होंने झारखंड को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दी है. भारतीय क्रिकेट के प्रति धौनी से ज्यादा समर्पित कोई खिलाड़ी नहीं है. कहने का आशय यह कि क्रिकेट के प्रति ऐसे समर्पित व्यक्ति को भी टोलर्स नहीं छोड़ रहे हैं. यह ट्विटर और फेसबुक आदि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की जिम्मेदारी है कि वे ऐसे लोगों को चिह्नित करें और उसे इंटरनेट की दुनिया से बाहर करें, दंडित करें

सम्पादकीय

पूंजी और मुनाफे के वर्चस्व वाली व्यवस्था के अनर्थ

हम जानते हैं कि संविधान में हमें जितनी भी स्वतंत्रताएं दी गई हैं, उनमें कोई भी पूर्ण और अन्तिम नहीं है। लेकिन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती है क्योंकि जनता की, जो लोकव्यवस्था के सृजन और उसकी सुविधाओं के प्रबंधन व नियंत्रण में निर्णायक भूमिका निभाती है, इच्छाभिव्यक्ति पर अंकुश को अच्छा नहीं माना जाता। लेकिन अब सर्वोच्च न्यायालय का कहना है कि हाल में सबसे अधिक दुरुपयोग इस अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का ही हुआ है। ऐसे में सवाल है कि यह स्वतंत्रता पवित्र, निर्मल और निर्दोषों से मुक्त कैसे हो, ताकि इसके मूल उद्देश्यों पर भी कोई आघात न हो और इसकी रक्षा भी संभव हो? जहां तक सर्वसाधारण की बात है, उसके संदर्भ में यह स्वतंत्रता वाणी और भावों की अभिव्यक्ति भर का ही मामला होती है, लेकिन संचार, समाचार व संवाद माध्यमों की बात हो तो इसकी व्यापकता बढ़ जाती है। इस स्वतंत्रता को दूषित करने के लिए साधनों के दुरुपयोग का सवाल भी इसी संदर्भ में उठाया जाता है, जो इस कारण और विकट हो जाता है कि देश में साधनों का समानता के आधार पर वितरण कहीं भी विद्यमान नहीं है। हमने जो व्यवस्था बनाई है, इस लिहाज से वह बहुत भेदभावकारी है और इसी कारण समाज में विभिन्न विसंगतियों का जन्म और पोषण भी हुआ और होता जा रहा है।

अभी तक ऐसी कोई व्यवस्था संभव नहीं हो पाई है, जिससे इन साधनों का सम्यक उपयोग किया जा सके। इसलिए सब कुछ इस पर निर्भर करता है कि ये साधन किन हाथों में हैं और जिन हाथों में है, उनकी मूल इच्छाएं दिशा और कार्यक्रम क्या है? आजादी के बाद प्रथम प्रेस आयोग का गठन हुआ तो यह प्रश्न उसके समक्ष भी विचाराधीन था। लेकिन उस आयोग में परामर्श देने की ही शक्ति थी और उसके परामर्शों के अनुसार व्यवस्था करने का अधिकार विधायिका के पास था। तिस पर जब भी यह प्रश्न सर्वोच्च न्यायालय के सामने आया तो 11 में से 7 मामलों में हुए निर्णयों में इस स्वतंत्रता को साधनों की स्वतंत्रता में शामिल कर लिया गया। चूंकि इन साधनों की सृष्टि बिना उद्यम, व्यवसाय और लाभकारी माध्यमों से जुड़े संभव ही नहीं थी, इसलिए उनके साथ निहित स्वार्थ जुड़ते गये और यह सवाल बड़ा होता गया कि इनसे मुक्ति कैसे मिले? काल विशेष के लिए इनके उपयोग की व्यवस्था थी ही नहीं और यही कारण है कि अभिव्यक्ति के विभिन्न स्वरूपों और साधनों पर पूंजी का वर्चस्व हावी होता गया। पहले समाज के भविष्य के लिहाज से गुण व मूल्य ज्यादा विचारणीय होते थे, पूंजी कम और मानव के सारे ज्ञान, कर्म व कौशलों के महत्व को भावी समाज को आदर्श बनाने के उपक्रमों से जोड़ा जाता था। लेकिन कोई तीन दशक पहले हमने भूमंडलीकरण के नाम पर शेष विश्व के साथ पूंजी और मुनाफे को निर्णायक तत्व स्वीकार कर लिया तो उन्हें पाने व जुटाने के लिए उचित अनुचित प्रयत्नों की बाढ़ सी आ गई। धीरे-धीरे उनसे सम्बन्धित अपराध बढ़कर हमारे स्वभाव में शामिल होते गये। इस बाढ़ के बीच मुनाफे को अभिव्यक्ति के स्वरूप और स्वतंत्रता को बिगाड़ने से क्यों कर रोका जाता, खासकर जब अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का क्षेत्र बड़ा व्यापक है और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ा हुआ है।प्रथम प्रेस आयोग ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को साधनों की स्वतंत्रता के बजाय सार्वजनिक उपयोगिता सेवा के रूप में व्याख्यायित व स्थापित करने का प्रयत्न किया था। लेकिन अब संसार जो नया रूप ग्रहण करता जा रहा है, उसमें आयोग की यह आशा दुराशा बनती जा रही है कि इस स्वतंत्रता को वैकल्पिक उपायों से इजारेदार पूंजी के वर्चस्व से बचाया जा सकता है। अब तो इस क्षेत्र में जो विभिन्न साधन उपयोग में लाये जा रहे हैं, वे अपनी कुरूपताओं की ओर निगाह डाले बगैर खुद को ही अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का वाहक और माध्यम बताने लगे हैं। प्रिंट मीडिया की ही बात करें तो लागत से कम मूल्यों पर अखबार उपलब्ध कराकर प्रसार बढ़ाने की अनैतिकता को मान्यता सी प्राप्त हो गई है। बढ़ती अनैतिक स्पर्धा और लाभ उठाने की प्रवृत्ति के चलते खुद को लोकतंत्र का रक्षक कहने वाले संवाद माध्यमों के दुरुपयोग से जुड़ी चिन्ताएं बढ़ीं और उनका समाधान सोचा जाने लगा तो इन माध्यमों में न्यूज का एक नया रूप फेक न्यूज के नाम से सामने आया, जो विज्ञापनों को खबरों का रूप देकर पूंजी को अपने खुले दुरुपयोग की छूट देता है। इस दुरुपयोग में अधिकतम मुनाफे के लिए मानव जीवन के विभिन्न अंगों को प्रभावित करने की सामर्थ्य कहें या पहुंच निर्णायक हो गई तो अब झूठे तथ्य जुटाकर झूठे प्रमाण पत्र हासिल करने का धन्धा भी आरम्भ हो गया है। इलेक्ट्रानिक संवाद माध्यमों यानी टीवी चौनलों में टीआरपी की हो, में गलत ढंग से पहला नम्बर प्राप्त करने में इस्तेमाल तरीके, जिनकी मुम्बई पुलिस जांच कर रही है, इसी की मिसाल है। अब जांच हो रही है कि बड़े लोगों ने, जो अपने कब्जे वाले संवाद माध्यमों का उपयोग करके बड़े बने, झूठी टीआरपी कैसे प्राप्त की?

किताबें मत जलाइए, ऐसा इन्तजाम कीजिए कि लोग उन्हें पढ़ ही ना पाएं

आप भले मेरी किताबें और यूरोप के सबसे उन्नत मस्तिष्कों की किताबें जला देंगे, लेकिन उन विचारों का क्या जो उन किताबों में समाई थी और जो करोड़ों रास्तों से आगे बढ़ चुका है और बढ़ता ही रहेगा। हेलेन केलर, एन ओपन लेटर टू जर्मन स्टुडेंण्टस फैहरेनहीट 451 ! यही उस फिल्म का नाम है जो साठ के दशक के मध्य में 1966 में रिलीज हुई थीं। चर्चित फ्रेंच निर्देशक त्रूफो द्वारा निर्देशित इस एकमात्र इंग्लिश फिल्म की तरफ उस वक्त लोगों का अधिक ध्यान नहीं गया था। प्रख्यात अमेरिकी लेखक रे ब्रेडबरी के इसी नाम के प्रकाशित एक उपन्यास ध्1951ध् पर आधारित यह फिल्म उस भविष्य की कल्पना करती है जब किताबें गैरकानूनी घोषित की जाएंगी और दमकल विभाग वाले उन तमाम किताबों को जला देंगे, जो उनके हाथ में लगती है। फैहरेनहीट 451 दरअसल उस तापमान का आंकड़ा है जब किताबें जलती हैं। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका में जो कम्युनिस्ट विरोध की उन्मादी मुहिम सरकार की शह पर चल पड़ी थी, जब बड़े-बड़े लेखक, कलाकारों, सांस्कृतिक कर्मियों को जबरदस्त प्रताड़ना से गुजरना पड़ा, उस पृष्ठभूमि में यह उपन्यास लिखा गया था, जिसने शोहरत की बुलंदियों को छुआ है। अब तक उसकी पचास लाख प्रतियां बिक चुकी हैं। वक्त निश्चित ही बदल गया है। अब आज की तारीख में हम तीस के दशक में नात्सी काल में चले पुस्तक जलाओ अभियानों जैसे असभ्य दिखनेवाले काम नहीं कर सकते हैं। यह अलग बात है कि हुकूमती जमातें नयी-नयी तरकीबें ढूंढते रहते हैं कि लोग किताबें पढ़े ही नहीं। ब्रिटेन के शिक्षा महकमे द्वारा हाल ही में जारी एक आदेश को इसी सन्दर्भ में देखना चाहिए। उसने इंग्लैण्ड की स्कूलों के लिए यह निर्देश जारी किया है कि वह ऐसे समूहों और संगठनों के संसाधनों का इस्तेमाल करना बन्द कर दें जिन्होंने पूंजीवाद की समाप्ति की इच्छा जाहिर की है। उसके लिए पूंजीवाद विरोध श्एक अतिवादी राजनीतिक विचारश् है, जिसे श्अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, सामीवादविरोध ध्एंटीसेमिटिजमध् और गैरकानूनी गतिविधिश् की हिमायत के साथ जोड़ा जा सकता है। इस निर्देश से एक तरह से ब्रिटेन के अपने इतिहास को पाठ्यक्रम में रखना गैरकानूनी हो जाएगा- जैसे समाजवाद की एक जमाने की ताकतवर शक्तियां, लेबर पार्टी तथा ट्रेड यूनियन संघर्ष आदि - क्योंकि अपने लम्बे इतिहास में उन्होंने हमेशा ही पूंजीवाद से परे जाने, पूंजीवाद को समाप्त करने आदि की बात पर जोर दिया है।

इसका मतलब यह होगा कि महान ब्रिटिश लेखक जैसे थॉमस पेन, इरिस मर्डाक, विलियम मॉरिस आदि भी पाठ्यक्रमों से बाहर कर दिए जाएंगे क्योंकि उनके लेखन में भी आप पूंजीवाद विरोध के तत्व मिलते हैं या कम से कम यह बात मिलती है कि इन्सानियत का अंतिम भविष्य मुनाफा हासिल करना नहीं होगा। इस निर्णय की विसंगतियों को अध्यापकों ने ही नहीं, बल्कि आम नागरिकों ने भी रेखांकित किया है। एक अध्यापक ने संपादक के नाम खत में एक दिलचस्प प्रश्न पूछा, दर्शन को सिखाते हुए, क्या मुझे प्लेटो का रिपब्लिक पढ़ाते हुए भी सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि उसमें राज्य द्वारा नियंत्रित, एक गैरपूंजीवादी अर्थव्यवस्था की बात की गयी है। दरअसल कन्जर्वेटिव पार्टी ने हमेशा ही लोकतंत्र के मूल्यों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसी बातों के प्रति अपने सन्देह को प्रकट किया है और आज की तारीख में जबकि कोविड महामारी को लेकर सरकार के ढुलमुल रूख, ब्रेक्जिट सम्बधित रणनीति आदि के चलते जब उसकी अपनी कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं तो शायद उसने यही नतीजा निकाला है कि यही वह मौजूं वक्त है कि किसी अनपेक्षित दिशा में मोर्चा खोल दिया जाए। हम देख सकते हैं कि अतिवादी राजनीतिक रूख के प्रति उनकी अचानक चिन्ता, दरअसल एक ढाल है जिसके इस्तेमाल से वह इस संस्कृति युद्ध को छेड़ना चाहते हैं, जिसके माध्यम से वह उन व्यक्तियों, संस्थाओं को निशाना बनाना चाहते हैं, जो यथास्थिति को लेकर सवाल उठाते हों। दक्षिण एशिया के इस हिस्से में संस्कृति युद्ध - जो पहले के विशाल ब्रिटिश साम्राज्य का ही हिस्सा था- उसी गतिमानता के साथ आगे बढ़ रहा है जहां हम देख रहे हैं कि पाकिस्तान अब अरबीकरण की दिशा में आगे बढ़ा है जबकि भारत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा प्रणित हिन्दू राष्ट्र की दिशा में तेजी से डग बढ़ रहा है। हमारी प्रस्तुत चर्चा के लिए यह प्रासंगिक होगा कि शिक्षा के दायरे में किस किस्म के बदलाव किए गए हैं। मिसाल के तौर पर, प्रेस में यह खबरें भी छपी हैं कि किस तरह पाकिस्तान की नयी शिक्षा नीति धर्म आधारित समाज तैयार करना चाहती है।

पाकिस्तान के शिक्षा जगत में आ रहे इन बदलावों के बारे में लिखते हुए प्रोफेसर परवेज हुदभॉय, जो लाहौर तथा इस्लामाबाद में भौतिकी के जाने माने अध्यापक हैं और प्रख्यात मानवाधिकार कार्यकर्ता भी हैं, अपने नियमित कॉलम में बताते हैं कि इस कदम के कुछ महत्वपूर्ण पहलू हैं, उसका मकसद है कि मदरसा और अन्य स्कूलों को एक ही पलड़े पर रखा जाए, वह मुमकिन बनाती है कि इत्तेहाद तंजिमाज-इ-मदारिसधमदरसा संगठनकर्ताओं का गठबन्धनध् से जुड़े नुमाइन्दे यह तय करें कि पाकिस्तान के बच्चे क्या पढ़ें, यहां तक मौजूदा पाठ्यपुस्तकों की जांच का जिम्मा भी उन्हें दिया गया है, नर्सरी से आगे की हर कक्षा के लिए धार्मिक सामग्री अनिवार्य होगी। क्या वह इस स्थिति से गुणात्मक तौर पर भिन्न होंगे जब नात्सी समूहों ने किताबों को जलाने की मुहिम 30 के दशक की शुरूआत में चलाई थी क्योंकि उनका कहना था कि यह सभी किताबें नात्सीविरोध के विचारों को प्रचारित प्रसारित करती हैं। जिन किताबों को उन्होंने निशाना बनाया उनमें यहूदी, शांतिवादी, धार्मिक, उदारवादी, अराजकतावादी, समाजवादी, कम्युनिस्ट और सैक्सोलोजिस्ट जैसे विविध किस्म के विद्वानों की किताबें थीं। निरूसन्देह, यह विचार कि आधुनिक शिक्षा को मदरसों के समकक्ष प्रस्तुत किया जा सकता है, यह विचार ही अपने आप में समस्यापूर्ण है क्योंकि आधुनिक शिक्षा जहां आलोचनात्मक चिन्तन पर आधारित है, मदरसे की शिक्षा में ऐसा कोई आधार नहीं होता है। उसका मकसद यही होता है कि धार्मिक परिपाटियों का पालन करनेवाले आज्ञाकारी विद्यार्थी का निर्माण किया जाए और मौत के बाद बेहतर जीवन की बात की जाए। साफ बात है कि यहां आलोचनात्मक चिन्तन पर पाबंदी रहती है। विश्लेषक बताते हैं कि इमरान खान, दरअसल इसी वायदे के साथ सत्ता में आए हैं कि वह उसे मदीना के स्वर्णिम युग में ले जाना चाहते हैं। हम देख सकते हैं कि श्स्वर्णिम अतीत की बातें चिरवैरी कहे जानेवाले मुल्क के तमाम प्रबुद्धजनों को आकर्षित करती है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के मौजूदा हुक्मरान मुल्क को राम राज्य की दिशा में ले जाना चाहते हैं - जो एक तरह उनके अपने सपनों का हिन्दू राष्ट्र है। अगर ब्रिटेन के कन्जर्वेटिव पार्टी ने एक ऐसा मसविदा तैयार किया है ताकि ब्रिटेन के अपने छात्र और युवा अपने खुद के इतिहास को ही पढ़ नहीं सकें, जबकि यहां सत्ताधारी उनके हमखयाल ताकतें इतिहास की सांप्रदायिक चेतना को आगे बढ़ाने में लगी हैं, जिसके तहत अतीत के सांप्रदायिक नजरिये को आगे बढ़ाने के लिए वह पाठ्यपुस्तकों के पुनर्लेखन में लगी हैं, जिसके तहत हिन्दू राजाओं की तारीफ के पुल बांधे जाए तथा अन्य लोगों के योगदान को अनुल्लेखित रखा जाए या उसे गलत ढंग से प्रस्तुत किया जाए।

पीड़िता को न्याय

बलात्कार और हत्या की हालिया घटनाओं से उपजे आक्रोश और चिंता के माहौल में केंद्र सरकार ने आवश्यक हस्तक्षेप करते हुए राज्यों को ऐसे मामलों में मुस्तैदी व कड़ाई से कार्रवाई करने का निर्देश दिया है. यह शिकायत अक्सर की जाती है कि पुलिस महिलाओं के विरुद्ध हुए अपराधों का समुचित संज्ञान लेने, प्राथमिकी दर्ज करने और त्वरित जांच करने में देरी करती है या उसका रवैया लापरवाही का होता है. इस वजह से अपराधियों को पकड़ने और सबूतों को जमा करने में देर हो जाती है.ऐसे में पीड़िता को समुचित न्याय नहीं मिल पाता है. इन समस्याओं को दूर करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अपने निर्देश में ऐसे अपराधों के मामले में तुरंत प्राथमिकी दर्ज करने को कहा है. जो पुलिस अधिकारी ऐसा करने में असफल रहेंगे, उन्हें दंडित करने का प्रावधान भी किया गया है. पुलिस या तो अपराधियों के दबाव में या फिर पीड़िता की वंचना की वजह से शिकायत दर्ज नहीं करती है. यह भी देखा गया है कि पीड़िता या उसके करीबियों के बयानों को पुलिस गंभीरता से नहीं लेती है. मंत्रालय ने कहा है कि पीड़िता के संबंधियों के बयान को प्रासंगिक तथ्य के रूप में देखना होगा. इस वर्ष के प्रारंभ में सर्वोच्च न्यायालय के इस आदेश का भी उल्लेख किया गया है कि यदि मृत्यु से पहले दिया गया पीड़िता का बयान न्यायिक मानदंडों पर खरा उतरता है, तो उसे केवल इस आधार पर खारिज नहीं किया जा सकता है कि वह बयान किसी मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज नहीं किया गया था या उसे किसी पुलिस अधिकारी द्वारा सत्यापित नहीं किया गया है. जांच में देरी भी न्याय की राह में बड़ी बाधा है. इसे दूर करने के लिए शिकायत दर्ज करने के साथ ही फोरेंसिक जांच के लिए सबूत

जुटाने तथा दो महीने के भीतर अनुसंधान पूरा करने को कहा गया है. पीड़िता की सहमति से मामले के संज्ञान में आने के 24 घंटे के भीतर चिकित्सक से जांच कराना भी जरूरी होगा. निर्देश में स्पष्ट कहा गया कि भले ही कठोर कानून बनें और अन्य उपाय हों, लेकिन अगर पुलिस ही नियमों का पालन नहीं करेगी, तो न्याय मिलना दूभर हो जायेगा और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकेगी. महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की बढ़ती संख्या को देखते हुए ऐसे निर्देशों और उनके अनुपालन की बड़ी जरूरत है. राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के मुताबिक, 2019 में ऐसे चार लाख से अधिक मामले सामने आये थे. पिछले साल औसतन हर दिन 87 बलात्कार की घटनाएं हुई थीं. पीड़ितों में नवजात शिशु से लेकर वृद्ध महिलाएं तक शामिल हैं. पुलिस सक्रियता के साथ न्याय प्रक्रिया में भी तेजी की जरूरत है. देशभर की अदालतों में बलात्कार के लंबित मामलों की संख्या लगभग ढाई लाख है. उम्मीद है कि राज्य सरकारें और पुलिस विभागों द्वारा गृह मंत्रालय के निर्देशों पर गंभीरता से अमल किया जायेगा

सार समाचार ....

हार पर श्रेयस अय्यर बोले- पावर प्ले के बाद विकेट लेते तो हालात कुछ और होता

दिल्ली कैपिटल्स के लिए बुरी खबर है कि विकेटकीपर बल्लेबाज आईपीएल के कुछ मैचों में नहीं खेलेंगे। ऋषभपंत रविवार रात को भी मुंबई इंडियंस के खिलाफ हुए मैच में नहीं खेले थे। इस मैच में मुंबई ने दिल्ली को 5 विकेट से हरा दिया। दिल्ली कैपिटल्स ने 163 रन का टारगेट दिया था। इसके जवाब में मुंबई ने 19.4 ओवर में 5 विकेट गंवाकर 166 रन बनाकर मैच जीत लिया। पंत को डॉक्टरों ने एक हफ्ते आराम की सलाह दी है। शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स खिलाफ के मैच के दौरान उन्हें चोट लग गई थी। दिल्ली के कप्तान अय्यर के अनुसार पंत को हैमस्ट्रिंग इंजरी हो गई है। इसलिए उन्हें डॉक्टरों ने करीब एक हफ्ते के लिए आराम की सलाह दी है। पंत ने इस सीजन में दिल्ली के लिए अब तक 6 मैच में 35.70 की औसत से 176 रन बनाए हैं। अय्यर ने मुंबई के खिलाफ मैच के बाद कहा- डॉक्टरों ने पंत को एक हफ्ते आराम की सलाह दी है। मुझे उम्मीद है कि ब्रेक के बाद वह जोरदार वापसी करेंगे।

फील्डिंग खराब रही

अय्यर ने मुंबई से हार पर कहा- मैं निश्चित रूप से कहूंगा कि 10-15 रन कम थे। अगर स्कोर 170-175 होता तो शायद मैच अलग होता। हम मार्कस स्टोइनिश के आउट होने के बाद चूक गए। वहीं फील्ड पर हमारा प्रयास भी काफी खराब रहा। हमने कुछ कैच ड्रॉप किए और फील्डिंग भी खराब की। हमें अगले मैच में सभी क्षेत्रों में काम करने की जरूरत है।

अय्यर ने कहा- ब्रेक में कमियों को दूर करने पर काम करना होगा

अय्यर ने आगे कहा- आईपीएल में हम इस सीजन में टॉप टीमों में से एक हैं। लेकिन उसके बावजूद भी हमें अभी कई क्षेत्रों में काम करने की जरूरत है। अगर मुंबई के खिलाफ मैच में पावर प्ले के बाद दो विकेट ले लेते तो हम पॉइंट टेबल में टॉप पर होते। हमारे लिए जरूरी है कि हम किसी भी टीम को हल्के में न लें। और सकारात्मक सोच के साथ खेलें। हमें ब्रेक में अपनी कमियों पर काम करने की जरूरत है।

दिल्ली पॉइंट टेबल में दूसरे नंबर पर

दिल्ली की टीम पॉइंट टेबल में दूसरे नंबर पर है। दिल्ली के अभी 10 अंक है। दिल्ली ने अब तक खेले 7 मैचों में 5 मैचों में जीत दर्ज की है।

सीजन में मुंबई इंडियंस की लगातार चौथी जीत

दुबई , (जी.एन.एस) आईपीएल के 13वें सीजन के 27वें मैच में मुंबई इंडियंस (एमआई) ने दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को 5 विकेट से हरा दिया। मुंबई लगातार चौथी जीत के साथ पॉइंट्स टैली में टॉप पर पहुंच गई है। मुंबई के क्विंटन डिकॉक ने आईपीएल में अपनी 12वीं और सूर्यकुमार यादव ने 9वीं फिफ्टी लगाई। डिकॉक को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने 163 रन का टारगेट दिया था। इसके जवाब में मुंबई ने 19.4 ओवर में 5 विकेट गंवाकर 166 रन बनाकर मैच जीत लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई के लिए ओपनर डिकॉक ने 36 और सूर्यकुमार ने 32 बॉल पर 53-53 रन की पारी खेली। इनके अलावा ईशान किशन ने 15 बॉल पर 28 रन बनाए। सूर्यकुमार और ईशान के बीच तीसरे विकेट के लिए 53 रन की पार्टनरशिप हुई। दिल्ली के लिए कगिसो रबाडा ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए। मार्कस स्टोइनिस, अक्षर पटेल और रविचंद्रन अश्विन को 1-1 विकेट मिला। रोहित शर्मा का मुंबई के लिए 150वां मैच था। वे यह कारनामा करने वाले मुंबई के दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। पोलार्ड 155 मैच खेल चुके हैं। रोहित ने मैच में 12 बॉल पर 5 रन बनाए हैं। उन्होंने अब तक आईपीएल में ओवरऑल 195 मैच खेले, जिनमें 5114 रन बनाए।

इस दौरान एक शतक और 38 अर्धशतक भी लगाए।

कोलकाता के पास जीत की हैट्रिक लगाने का मौका

- इस मैदान पर हुए कुल टी-20: 13
- पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती: 9
- पहले गेंदबाजी करने वाली टीम जीती: 4
- पहली पारी में टीम का औसत स्कोर: 149
- दूसरी पारी में टीम का औसत स्कोर: 131

दुबई | एजेंसी।

आईपीएल के 13वें सीजन का 28वां मैच कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच आज शारजाह में खेला जाएगा। पॉइंट्स टेबल में केकेआर तीसरे और आरसीबी चौथे स्थान पर है। दोनों के बीच खेले गए पिछले 5 मैचों की बात करें, तो बेंगलुरु ने सिर्फ एक बार ही कोलकाता को हराया है। मैच में कोलकाता के पास जीत की हैट्रिक लगाने का मौका रहेगा। केकेआर ने पिछले दोनों मैच आखिरी ओवरों में रोमांचक तरीके से जीते हैं। पहले उसने चेन्नई को 10 रन और फिर पंजाब को 2 रन से हराया था। वहीं, बेंगलुरु ने पिछले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी।

रसेल और नरेन के खेलने पर संशय

केकेआर के लिए चोटिल आंद्रे रसेल और सुनील नरेन का संदिग्ध एक्शन चिंता का सबब बना हुआ है। ऐसे में दोनों को टीम में जगह न मिलने की हालत में टॉम बेंटन और लॉकी फर्ग्युसन को जगह मिल सकती है।

पंजाब के खिलाफ मैच के दौरान नरेन को मिली वार्निंग

शनिवार को किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ नरेन का बॉलिंग एक्शन संदिग्ध पाया गया था। इसकी शिकायत पर अंपायर उल्हास गांधे और क्रिस गैफनी ने वार्निंग दी। ये दोनों ही अंपायर शनिवार के मैच में ग्राउंड अंपायरिंग कर रहे थे। बाद में बीसीसीआई की संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन कमेटी ने नरेन का नाम अपनी वॉर्निंग लिस्ट में शामिल कर लिया। नरेन को यही कमेटी आगे गेंदबाजी के लिए हरी झंडी देगी।

कोहली की शानदार फॉर्म से आरसीबी को उम्मीद

शुरुआती मुकाबलों में रन के लिए तरस रहे आरसीबी के कप्तान विराट कोहली पुराने रंग में दिख रहे हैं। कोहली ने पिछले मैच में चेन्नई के खिलाफ शानदार 90 रन की पारी खेली थी। इससे पहले भी कोहली ने राजस्थान के खिलाफ नाबाद फिफ्टी लगाई थी।

दोनों टीमों के सबसे महंगे खिलाड़ी

कोलकाता के सबसे महंगे खिलाड़ी पैट कमिंस हैं। उन्हें सीजन के 15.50 करोड़ रुपए मिलेंगे। इसके बाद सुनील नरेन का नबंर आता है, जिन्हें सीजन के 12.50 करोड़ रुपए मिलेंगे। वहीं, आरसीबी में कप्तान कोहली सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। टीम उन्हें एक सीजन के 17 करोड़ रुपए देगी। उनके बाद टीम में एबी डिविलियर्स का नाम है, जिन्हें इस सीजन में 11 करोड़ रुपए मिलेंगे।

मौसम और पिच रिपोर्ट

शारजाह में आसमान साफ रहेगा। तापमान 23 से 37 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। शारजाह में पिच से बल्लेबाजों को मदद मिल सकती है। यहां स्लो विकेट होने के कारण स्पिनर्स को भी काफी मदद मिलेगी। शारजाह में टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना पसंद करेगी। शारजाह में पिछले 13 टी-20 में पहले बल्लेबाजी वाली टीम की जीत का सक्सेस रेट 69 प्रतिशत रहा है।

कोलकाता ने 2 बार खिताब जीता, बेंगलुरु को अब भी इंतजार

आईपीएल इतिहास में कोलकाता ने अब तक दो बार फाइनल (2014, 2012) खेला और दोनों बार चैम्पियन रही है। वहीं, आरसीबी ने 2009 में अनिल कुंबले और 2011 में डेनियल विटोरी की कप्तानी में फाइनल खेला था। 2016 में विराट की कप्तानी में भी टीम फाइनल में पहुंची। लेकिन, एक बार भी खिताब नहीं जीत सकी।

कोलकाता का सक्सेस रेट बेंगलुरु से ज्यादा

आईपीएल में कोलकाता का सक्सेस रेट 52.98त्न है। केकेआर ने अब तक कुल 184 मैच खेले हैं, जिसमें उसने 96 जीते और 88 हारे हैं। वहीं, बेंगलुरु का सक्सेस रेट 47.81त्न है। आरसीबी ने अब तक कुल 187 मैच खेले हैं, जिसमें उसने 88 जीते और 95 हारे हैं। 4 मैच बेनतीजा रहे।

पूर्व भारतीय फुटबॉल कप्तान कार्लटन चैपमैन का हार्ट अटैक से निधन

नई दिल्ली एजेंसी।

भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान कार्लटन चैपमैन का सोमवार को बेंगलुरू में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया. वह 49 साल के थे. चैपमैन को रविवार की रात को बेंगलुरू में अस्पताल में भर्ती कराया गया था और सोमवार तड़के उन्होंने अंतिम सांस ली.एक समय चैपमैन के साथी रहे ब्रूनो कुटिन्हो ने गोवा से पीटीआई से कहा, 'मुझे बेंगलुरू से उनके एक दोस्त में फोन पर बताया कि चैपमैन अब हमारे बीच नहीं रहे. उनका आज (सोमवार) तड़के निधन हो गया. वह हमेशा खुश रहने वाले इंसान थे और दूसरों की मदद के लिए तैयार रहते थे.' मिडफील्डर चैपमैन 1995 से 2001 तक भारत की तरफ से खेले थे. उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने 1997 में सैफ कप जीता था. क्लब स्तर पर उन्होंने ईस्ट बंगाल और जेसीटी मिल्स जैसी टीमों का प्रतिनिधित्व किया. टाटा फुटबॉल अकादमी से निकले चैपमैन 1993 में ईस्ट बंगाल से जुड़े थे और उन्होंने उस साल एशियाई कप विनर्स कप के पहले दौर के मैच में इराकी क्लब अल जावरा के खिलाफ टीम की 6-2 से जीत में हैट्रिक बनाई थी.लेकिन उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जेसीटी के साथ किया, जिससे वह 1995 में जुड़े थे. चैपमैन ने पंजाब स्थित क्लब की तरफ से 14 ट्रॉफियां जीती थीं. इनमें 1996-97 में पहली राष्ट्रीय फुटबॉल लीग (एनएफएल) भी शामिल है. उन्होंने आईएम विजयन और बाईचुंग भूटिया के साथ मजबूत संयोजन तैयार किया था. चैपमैन बाद में एफसी कोच्चि से जुड़े लेकिन एक सत्र बाद ही 1998 में ईस्ट बंगाल से जुड़ गए थे. ईस्ट बंगाल ने उनकी अगुवाई में 2001 में एनएफएल जीता था. उन्होंने 2001 में पेशेवर फुटबॉल से संन्यास ले लिया था. इसके बाद वह विभिन्न क्लबों के कोच भी रहे.

बाबोस, म्लादेनोविक की जोड़ी ने जीता फ्रेंच ओपन महिला युगल का खिताब

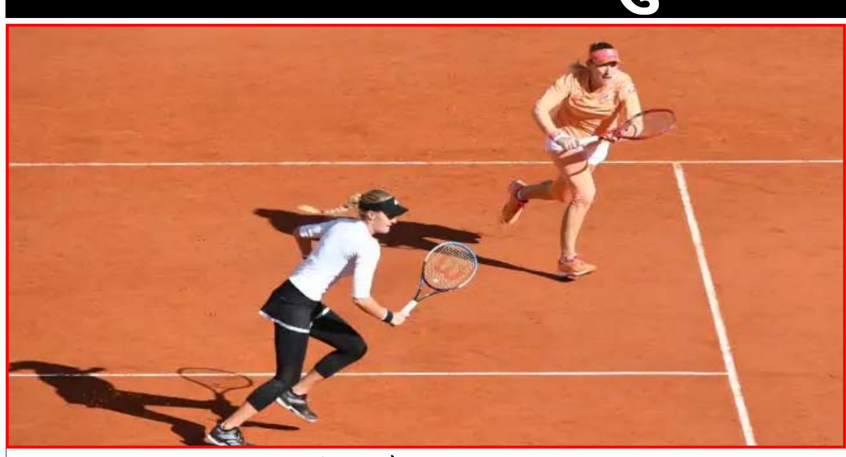

पेरिस, एजेंसी। टिमिया बाबोस और क्रिस्टीना म्लादेनोविच की जोड़ी रविवार को यहां फ्रेंच ओपन महिला युगल खिताब का बचाव करने में सफल रही। हंगरी और फ्रांस की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने चिली की एलेक्सा गुआराची और अमेरिका की देसिरे क्रैवस्जीक की 14वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी को 6-4, 7-5 से मात दी। जोड़ी के तौर पर बाबोस और म्लादेनोविच का यह चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब है। यह जोड़ी फ्रेंच ओपन खिताब को दो बार जीतने के अलावा 2018, 2020 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन की विजेता रही हैं। इससे पहले शनिवार को पोलैंड की 19 साल की खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने फ्रेंच ओपन के फाइनल में ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन सोफिया केनिन को हराकर इतिहास रच दिया। अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने के साथ ही वे ऐसा करने वाली पोलैंड की पहली महिला खिलाड़ी भी बन गईं हैं। यह टूर स्तर का उनका पहला खिताब है। फाइनल में इगा स्वियातेक ने सोफिया केनिन को लगातार दो सेटो में 6-4, 6-1 से हराया और फ्रेंच ओपन महिला एकल का खिताब अपने माम कर लिया। स्वियाटेक ने चौथी सीड केनिन को फाइनल में मात्र एक घंटे 24 मिनट में लगातार सेटों में हरा दिया। 21 वर्षीय केनिन ने इस साल के शुरू में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था, लेकिन 19 वर्षीय और विश्व की 53वें नंबर की खिलाड़ी स्वियाटेक के सामने उन्होंने जैसे समर्पण कर दिया।

स्वियाटेक इस तरह ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाली पोलैंड की पहली खिलाड़ी बन गई। स्वियाटेक 1997 में इवा माजोली के बाद इस खिताब को जीतने वाली पहली टीन (19 साल तक की) खिलाड़ी है। स्वियातेक ने अपने खिताबी अभियान के दौरान 2018 की चैम्नियन सिमोना हालेप और 2019 की उपविजेता मार्केटा वेंद्रोसोवा को एकतरफा मुकाबले में शिकस्त दी।

राजस्थान के तेवतिया से उलझे हैदराबाद के कप्तान वॉर्नर

मैच के बाद हैदराबाद के कप्तान डेविड वॉर्नर और राजस्थान के राहुल तेवतिया के बीच तीखी बहस हुई। अंपायर और साथी खिलाड़ियों को बीच-बचाव के लिए आना पड़ा। आईपीएल के 13वें सीजन के 26वें मैच में खिलाड़ियों के बीच तीखी बहस देखने को मिली।

धोनी की आलोचना कर रहे हैं, उन पर दया आती है

दुबई एजेंसी। तीन बार आईपीएल जीतने वाली चेन्नई सुपर किंग्स का आईपीएल-13 में अब तक प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। सीएसके पॉइंट्स टेबल में सातवें स्थान पर है। चेन्नई ने 7 में से 5 मैच हारे हैं। टीम ने ओपनिंग मैच जीतने के बाद लगातार तीन मैच हारे। अपना 5वां मुकाबला जीतने के बाद टीम ने फिर लगातार दो मैच गंवा दिए। वहीं धोनी सात मैचों में सिर्फ 112 रन बना सके हैं , जिनमें एक भी अर्धशतक शामिल नहीं है। धोनी और चेन्नई की खराब प्रदर्शन पर सोशल मीडिया पर आलोचना की जा रही है। इंडिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज सैयद किरमानी ने आलोचना करने वालों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि धोनी की आलोचना करने वालों पर मुझे दया आती है। किरमानी ने कहा- बढ़ती उम्र और लंबे ब्रेक के कारण प्रदर्शन पर प्रभाव पड़ता है। हर खिलाड़ी के करियर में यह दौर आना जरूरी है। जिस तरह खिलाड़ी के ऊंचाई पर पहुंचने का समय होता है। उसी तरह खिलाड़ी के करियर में नीचे आने का भी समय होता है। यह सब समय के साथ बदल जाती है।

उन्होंने कहा- हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि धोनी एक समय में इस खेल के बेस्ट फिनिशर थे । इस सीजन में वह काफी लंबी ब्रेक के बाद खेल रहे हैं। इसलिए उनके प्रदर्शन पर प्रभाव पड़ रहा है। वह 39 साल के हो चुके हैं। युवाओं की तरह उनमें उतनी फुर्ती नहीं होगी। वहीं खिलाड़ी अपने करियर में बेहतर बनाने के दौरान काफी तनाव में रहता है। इसे हमें स्वीकार करना चाहिए। धोनी करीब एक साल बाद क्रिकेट में आईपीएल से वापसी की है। वह पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल के बाद क्रिकेट से दूर थे। उन्होंने इस साल अगस्त में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लिया है।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने COVID-19 के कारण BPL 2020 को रद्द किया

ढ़ाका , एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने कोविड-19 महामारी के लगातार बढ़ने के कारण इस साल होने वाली बांग्लादेश प्रीमियर लीग को रद्द कर दिया है. बीसीबी के अध्यक्ष नजमुल हसन ने इस फैसले की घोषणा की. नजमुल ने ढाका में शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में तीन टीमों के बीच खेले जाने वाले 50 ओवरों के टूर्नामेंट का उद्घाटन करते हुए कहा, 'इस साल बीपीएल नहीं होगा. अगले साल देखते हैं. हम कोई मैच नहीं छोड़ना चाहते हैं, लेकिन सब कुछ परिस्थितियों पर निर्भर करता है.'उन्होंने कहा कि विदेशी क्रिकेटरों की भागीदारी तथा संचालन और क्रियान्वयन से जुड़े अन्य मामलों के कारण यह फैसला किया गया. नजमुल ने कहा, 'जब भी बीपीएल की बात होती है तो विदेशी क्रिकेटरों की जरूरत पर चर्चा होती है. इसके अलावा मैचों के आयोजन का मामला भी है. अगर हम यह बांग्लादेश में कर सकते हैं तो फिर हमें कोई आपत्ति नहीं है.'बीसीबी प्रमुख ने विदेशी सरजमीं पर टूर्नामेंट के आयोजन की संभावना से भी इनकार किया जैसे कि इस बार में खेला जा रहा है. उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि यह (विदेशों में टूर्नामेंट का आयोजन) आसान होगा. ब्रिटेन और आईपीएल के लिए यूएई में जैव सुरक्षित वातावरण तैयार किया गया है और यह सभी के लिए संभव नहीं है. हमारे लिए इतनी अधिक धनराशि खर्च करना असंभव है.

राफेल नडाल ने नोवाक जोकोविच को हराकर 13वां फ्रेंच ओपन खिताब जीता, रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी

पेरिस | एजेंसी।

राफेल नडाल ने रविवार को नोवाक जोकोविच को एकतरफा मुकाबले में 6-0, 6-2, 7-5 से हराकर 13वीं बार फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल का खिताब जीतकर अपने रिकॉर्ड में सुधार किया। इस खिताबी जीत के साथ नडाल ने रोजर फेडरर के 20 ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली। इससे पहले पुरुष एकल में सबसे अधिक मेजर खिताब जीतने का रिकॉर्ड फेडरर के नाम था।

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी जोकोविच 18वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने के लिए चुनौती पेश कर रहे थे। नडाल ने ऐस के साथ जीत दर्ज की जिसके बाद वह अपने घुटने पर बैठकर हंसने लगे और अपने हाथ हवा में लहराए। नडाल ने अपने पसंदीदा टूर्नामेंट में खिताबी जीत के दौरान इस साल एक भी सेट नहीं गंवाया। दुनिया के दूसरे नंबर के इस खिलाड़ी की फ्रेंच ओपन में यह 100वीं जीत भी है। उन्होंने रोलां गैरो पर जीत-हार के रिकॉर्ड को 100-2 तक पहुंचाया। इस ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल और फाइनल में नडाल का रिकॉर्ड 26-0 हो गया है। पेरिस में नडाल की यह लगातार चौथी खिताबी जीत है। स्पेन के इस दिग्गज खिलाड़ी ने इससे पहले 2005-08 के बीच लगातार चार और फिर 2010-14 के बीच लगातार पांच बार फ्रेंच ओपन खिताब जीता। इसके अलावा वह चार बार अमेरिकी ओपन, दो बार विंबडलन और एक बार ऑस्ट्रेलिया ओपन का खिताब भी जीत चुके हैं। नडाल ने पहली बार ग्रैडस्लैम जीतने के मामले में फेडरर की बराबरी की थी। दोनों के नाम 2003 में एक भी ग्रैंडस्लैम खिताब नहीं था। फेडरर ने उसी साल विंबलडन ने अपना पहला खिताब जीता, जबकि नडाल ने अपना पहला खिताब पेरिस में 2005 में जीता। नडाल 1972 से फ्रेंच ओपन खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। उनके पहले और नवीनतम ग्रैंडस्लैम खिताब के बीच 15 साल से अधिक का अंतर है जो पुरुष वर्ग में सबसे बड़ा अंतर है। नडाल और जोकोविच के बीच यह 56वां मुकाबला था जो पेशेवर युग में किन्हीं दो पुरुष खिलाड़ियों के बीच सबसे अधिक मुकाबले हैं। ग्रैंडस्लैम फाइनल में ये दोनों खिलाड़ी नौवीं बार आमने-सामने थे और इस तरह इन्होंने नडाल और फेडरर के बीच सबसे अधिक ग्रैंडस्लैम फाइनल की बराबरी की। जोकोविच ने नडाल के खिलाफ पिछले 18 में से 14 मुकाबले जीते हैं और कुल मुकाबलों के मामले में 29-26 से आगे हैं।

अनुष्का शर्मा को अफगान क्रिकेटर राशिद खान की वाइफ क्यों बता रहा है गूगल?

आजकल अगर किसी को कुछ भी जानना होता है तो उसके लिए गूगल का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन गूगल भी कभी-कभी ऐसे जवाब देता है जिसका विश्वास करना मुश्किल है। ऐसा ही कुछ गूगल ने हाल में किया है। दरअसल गूगल पर अफगानिस्तान के क्रिकेटर राशिद खान की वाइफ के बारे में पूछे जाने पर गूगल उसका जवाब अनुष्का शर्मा बता रहा है। इसके बाद यह बात सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। कीमत बस 6,799 से हो रहे शुरू दरअसल जब गूगल पर राशिद खान की वाइफ के बारे में सर्च करते हैं तो गूगल न केवल राशिद खान को मैरिड बता रहा है बल्कि वाइफ के नाम के आगे अनुष्का शर्मा बता रहा है। गूगल शादी की तारीख में भी 11 दिसंबर 2017 बता रहा है जिस दिन विराट कोहली और अनुष्का शर्मा की शादी हुई थी। अब यह बात तो सभी जानते हैं कि अनुष्का शर्मा भारतीय क्रिकेट टीम के कैप्टन विराट कोहली की वाइफ हैं। अनुष्का इस समय प्रेगनेंट हैं और जनवरी में अपने पहले बच्चे को जन्म देंगी। अब प्रेग्नेंसी के अलावा अनुष्का गूगल के इस नए कारनामे के कारण और ज्यादा चर्चा में आ गई हैं। सोशल मीडिया पर यूजर्स इस बारे में मजेदार मीम्स बनाकर शेयर कर रहे हैं। लेकिन सवाल यह है कि आखिर गूगल ऐसा गलत रिजल्ट दिखा क्यों रहा है।

रवीना टंडन KGF 2 की शूटिंग के लिए पहुंची डलहौजी

बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन फिल्मों की दुनिया में दोबारा वापसी की तैयारी कर रही हैं. इन दिनों केजीएफ चैप्टर 2 की शूटिंग के लिए डलहौजी पहुंची हैं. कोरोना वायरस के कारण उनकी इस फिल्म की शूटिंग रोक दी गई थी, लेकिन अब फिल्म की शूटिंग दोबारा शुरू कर दी गई है. डलहौजी पहुंचने के बाद रवीना टंडन ने अपना कोरोना वायरस टेस्ट भी कराया, जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है. अपने वीडियो में एक्ट्रेस चेकअप कराती नजर आ रही हैं. रवीना टंडन के इस वीडियो को लेकर उनके फैंस भी खूब कमेंट कर रहे हैं. रवीना टंडन के इस वीडियो को अब तक 42 हजार से भी ज्यादा बार देखा जा चुका है. वीडियो को साझा करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, ÷डलहौजी जैसी खूबसूरत जगह पर, लोग अब कोरोना वायरस की जांच करने में माहिर होते जा रहे हैं. किसी तरह की छींक या कोई भी परेशानी नहीं. सभी चीजें अच्छे से जा रही हैं. करीब 8 महीने बाद अपने काम की लोकेशन पर वापसी की है. केजीएफ चैप्टर 2 का आखिरी शॉट फरवरी में लिया था. वहां जाने के लिए खूब उत्साहित हूं. कृप्या मुझे अपना ढेर सारा प्यार और आशीर्वाद दें.÷ वीडियो में एक्ट्रेस ब्लैक हुडी में नजर आ रही हैं. बता दें कि बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. वह अपनी फोटो और वीडियो साझा कर फैंस से तो जुड़ी रहती ही हैं, साथ ही अकसर समसामयिक मुद्दों पर भी बेबाकी से अपनी राय पेश करती हैं. रवीना टंडन जल्द ही साउथ के मशहूर एक्टर यश के साथ केजीएफ चैप्टर 2 में नजर आने वाली हैं. इस फिल्म के जरिए एक्ट्रेस कई सालों बाद फिल्मी दुनिया में वापसी करेंगी. फिल्म में उनके अलावा एक्टर संजय दत्त भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे. इससे पहले साल 2019 में रवीना टंडन ने नच बलिए 9 को भी जज किया था.

बड़े पर्दे पर जल्द दस्तक देने वाले हैं मनोज बाजपेयी

मनोज बाजपेयी ने कोरोना काल के दौरान एल्बम के जरिए काफी सुर्खियां बटोरी हैं। यूट्यूब के बाद अब वह बड़े पर्दे पर दस्तक देंगे। उनकी अपकमिंग फ़िल्म सूरज पे मंगल भारी 13 नवंबर को थिएटर्स में रिलीज़ होने वाली है। मनोज बाजपेयी की इस फ़िल्म में दिलजीत दोसांझ और फातिमा सना शेख भी अहम भूमिका में नज़र आने वाला हैं। मनोज बाजपेयी स्टारर इस फ़िल्म को अभिषेक शर्मा ने निर्देशित किया है। अभिषेक इससे पहले तेरी बिन लादेन, द शौकीन और द जोया फैक्टर जैसी फ़िल्में बना चुके हैं। पहली बार है, जब वह मनोज बाजपेयी के साथ काम कर रहे हैं। अब कोरोना काल के बाद जब 15 अक्टूबर को सिनेमाघर खुल रहे हैं, तो यह शायद पहली फ़िल्म होगी, जो पर्दे पर रिलीज़ होगी। फ़िल्म की रिलीज़ के बारे में मनोज बाजपेयी ने जानकारी दी हैं। उन्होंने फ़िल्म का पोस्टर साझा किया। इस पोस्टर में एक कुंडली दिख रही है। कुंडल एक किस्म का यंत्र या कागज है, जिसका इस्तेमाल हिंदू धर्म में भविष्य बताने के लिए होता है। इस पोस्टर के साथ उन्होंने लिखा है- कृपया अपनी कुंडली जांच लें। शीध्र ही आप सभी के जीवन में, सूरज का प्रकोप और मंगल का प्रभाव बढ़ने वाला है। सूरज पे मंगल भारी 13 नवंबर को। इस दिवाली तैयार हो जाइये धमाकेदार फैमिली इंटरटेनर के लिए। फ़िल्ममेकर्स के मुताबिक, फ़िल्म की कहानी एक शादी कराने वाले जासूस की है। इस जासूस का शिकार बनने वाले किरदार को मनोज और दिलजीत निभा रहे हैं। इन एक्टर्स के अलावा फ़िल्म में मनोज पहवा, सीमा पहवा, सुप्रिया पिलगांवकर, नीरज सूद, अभिषेक बनर्जी और विजय राज जैसे कलाकारों की अदाकारी देखने को मिलेगी। फ़िल्म को अक्षय कुमार स्टारर लक्ष्मी बम और राजकुमार राव स्टारर छंलाग भी दिवाली पर रिलीज़ होने वाली हैं।हालांकि, दोनो ओटीटी पर स्ट्रीम होंगी।

सामन्था अक्किनेनी कर रहीं थीं बॉक्सिंग तभी बीच में आया बच्चा

साउथ सुपरस्टार और नागा चैतन्य की पत्नी सामंथा अक्किनेनी यूं तो अपनी दमदार एक्टिंग से सबको अपना दीवाना बना लेती हैं. लेकिन इन दिनों वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं सिर्फ इतना ही नहीं वह अकसर अपनी ऑर्गेनिक फॉर्मिंग हो या अपने ब्रैंड की वीडियो शेयर करती रहती हैं लेकिन हाल ही में उन्होंने टफ वर्कआउट करते हुए वीडिया शेयर किया है. इस वीडियो में सामंथा अक्किनेनी बॉक्सिंग वर्कआउट कर रही है लेकिन इस वीडियो में एक चीज और भी खास है जो उनके फैंस का ध्यान खींच रहा है. इस वीडियो में सामन्था के साथ एक बच्चा भी नजर आ रहा है और वह भी जिम में अलग-अलग तरह के वर्कआउट करता हुए नजर आ रहा है. सामंथा अक्किनेनी के इस वीडियो को सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है. जहां तक सामन्था के इस वायरल वीडियो की बात करें तो इसमें आप साफ देख सकते हैं कि एक्ट्रेस बॉक्सिंग वर्कआउट कर रही हैं तभी एक बच्चा आता है और उनके पास वाले मशीन पर वर्कआउट करने लगता है. सिर्फ इतना ही सामन्था उसे देखकर हंसने भी लगती है. सामन्था ने वर्कआउट करते हुए तीन वीडियो शेयर किया है. सामन्था के इस वीडियो को अब तक 3 लाख 94 हजार से अधिक बार देखा जा चुका है साथ ही हजारों की संख्या में कमेंट भी आ चुके हैं. वर्क फ्रंट की बात करें तो सामन्था अक्किनेनी जल्द ही हिंदी डेब्यू करने वाली हैं और वह वेब-सीरीज द फैमिली मैन सीजन 2 में नजर आने वाली है. इसको लेकर सामन्था अक्किनेनी काफी एक्साइटेड भी हैं. बता दें कि सामंथा अक्किनेनी साउथ सुपरस्टार नागार्जुन की बहू हैं. उन्होंने नागार्जुन के बड़े बेटे नागा चैतन्य से साल 2017 में शादी रचाई थी. दोनों की जोड़ी टॉलीवुड की मोस्ट लवेबल जोड़ियों में से एक है. सामंथा ने ये मैया चेसवे, रंगस्थलम, नीथेन एन पोनसांथम, यतो वेल्लिपोइन्धी मनसु, सीतम्मा विट्ठितलो सिरिमल चेट्ठु जैसी

Parle-G ने न्यूज चैनलों को विज्ञापन देने पर लिया यह बड़ा फैसला

भारत के प्रसिद्ध बिस्कुट कंपनी पारले-जी ने हाल ही में बड़ा फैसला लिया है. दरअसल, पारले के प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी ने यह फैसला किया है कि वह जहरीली और आक्रामक सामग्री प्रसारित करने वाले समाचार चैनलों को अब कोई भी विज्ञापन नहीं देंगे. पारले-जी के इस फैसले पर बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्करका रिएक्शन आया है. स्वरा भास्कर ने ट्वीट कर पारले-जी के फैसले का समर्थन किया है. बता दें, इंडियन सिविल लिवर्टीज यूनियन के ट्विटर हैंडल से इस बात की जानकारी दी गई. पारले कंपनी ने फैसला किया है कि वह जहरीली और आक्रामक सामग्री प्रसारित करने वाले समाचार चैनलों को अब कोई भी विज्ञापन नहीं देंगे. ये चैनल उस प्रकार के नहीं हैं, जिसमें कंपनी अपने पैसे लगाना चाहती हो क्योंकि यह अपने टार्गेट ऑडियंस का पक्ष नहीं लेती हैं. यही समय है, पारले और बजाज की अगुवाई से और भी कंपनियां जुड़ें. इस ट्वीट को रिट्वीट करते हुए स्वरा भास्कर ने लिखा, येय, थ्री चियर्स पार्ले के लिए.÷ स्वरा भास्कर के इस ट्वीट पर लोग खूब कमेंट कर रहे हैं और अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं. बता दें, हाल ही में न्यूज चैनलों की निकली टीआरपी का मामला सामने आया था. जिसको लेकर बीजेपी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा है कि पहले पीत पत्रकारिता, फिर पेड न्यूज़, उसके बाद फेक न्यूज़ और अब पत्रकारिता हो गई है. इसके चक्कर में बड़े-बड़े भले संस्थान आ गए हैं. पहले टैम प्राइवेट संस्था थी जो निकालती थी. पिछले दो महीने का हाल देखिए कि ये कहां से कहां तक आ गई है.

सुशांत मौत मामले में सीबीआई ने रिया चक्रवर्ती के पड़ोसी को दी कड़ी चेतावनी

बॉलीवुड सुपरस्टार सुशांत सिंह राजपूत की मौत की गुत्थी अभी तक सुलझी नहीं है। दिवंगत अभिनेता की मौत की जांच में जुटी सीबीआई की ओर से भी मामले में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आ रही है। अभी तक इस मामले में एम्स के डॉक्टर सुधीर गुप्ता की टीम की ओर से जांच के बाद सामने आई रिपोर्ट्स में इसे आत्महत्या का ही मामला बताया गया है। जिस पर खासा बवाल भी छिड़ा था। इसके बाद दोबारा सीबीआई की टीम ने दिल्ली से मुंबई का रुख किया और मामले की पड़ताल में जुट चुकी है। सामने आ रही ताजा खबरों की मानें तो हाल ही में सीबीआई ने उस कथित चश्मदीद से पूछताछ की थी। जिसने न्यूज चैनल्स पर दावा किया था कि 13 जून की रात सुशांत और रिया चक्रवर्ती की मुलाकात हुई थी। रिया चक्रवर्ती की एक पड़ोसी डिंपल धवनी ने दावा किया था कि 13 जून की रात सुशांत सिंह राजपूत रिया चक्रवर्ती को उनके घर पर छोड़ने आए थे। इसके दूसरे दिन ही यानी 14 जून को सुशांत सिंह राजपूत की मौत की खबर सामने आई थी। सामने आ रही ताजा जानकारी की मानें तो सीबीआई ने रिया चक्रवर्ती के इस पड़ोसी डिंपल धवनी को रविवार (11 अक्टूबर) के दिन पूछताछ के लिए बुलाया। यहां सीबीआई ने डिंपल धवनी से गहन पूछताछ की। इस पूछताछ के दौरान डिंपल धवनी ने चौंकाने वाली बात कही। रिपोर्ट्स की मानें तो डिंपल धवनी ने बताया कि उन्होंने नहीं बल्कि किसी और ने रिया और सुशांत को एक साथ देखा था और उन्होंने ही उन्हें ये बात बताई है। जब सीबीआई ने उन्हें उस शख्स के बारे में बताने के लिए कहा तो वो मुकर गईं। उन्होंने कहा कि वो शख्स सामने नहीं आना चाहता है। इतना ही नहीं, डिंपल धवनी इस पूछताछ में सीबीआई को उस जगह की लोकेशन भी नहीं बता सकीं जहां कथित तौर पर रिया और सुशांत की 13 जून को आखिरी मुलाकात हुई। इसके बाद सीबीआई ने डिंपल धवनी को चेतावनी दे डाली कि जब तक किसी बात का प्रमाण न हो या वो सच न हो तब तक उसके बारे में न बोलें। बता दें कि इससे पहले रिया चक्रवर्ती के वकील सतीश मानशिंदे ने भी डिंपल धवनी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की बात कही थी। रिया के वकील ने कहा था कि सुशांत के एक फैन ने ये झूठी अफवाह उड़ाई थी।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob:
8896925119, 9695670357
Email:
kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।